राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 20 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-181 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खूंटी से चार नक्सली गिरफ्तार, पुलिस ने किया हथियार समेत गोला-बारुद बरामद

रांची (एजेंसी)। खूंटी जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के 04 सदस्यों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार लोगों में कुख्यात नक्सली ओझा पाहन भी शामिल है, जिसकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से हथियार, गोला-बारूद, पेट्रोल भरी बॉटल और मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार खुफिया सूचना पुलिस को मिली थी कि पीएलएफआई के सदस्य खूंटी और आसपास के इलाकों में सरकारी ठेकेदारों को धमकाकर जबरन वसूली में लगे हुए हैं। सूचना के आधार पर तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा की अगुवाई में रविवार देर रात रानिया के जिबिलोंग टांगरी क्षेत्र में छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने मौके से ओझा पाहन समेत चार नक्सलियों को धर-दबोचा। इस संबंध में खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि ओझा पाहन खूंटी, रांची और गुमला जिलों के अलग-अलग थानों में करीब 10 मामलों में वांछित रहा है। इसके साथ ही ओझा पाहन पहले भी वाहनों में आग लगाने और ठेकेदारों को धमकाने के आरोप में जेल जा चुका है। पाहन गुमला का रहने वाला है और वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। गिरफ्तार किए गए अन्य तीन नक्सलियों की पहचान जेवियर कोंगाडी (29), संतोष कोंगाडी (27) और जिबुनस आइंद (31) के तौर पर हुई है। सभी आरोपी खूंटी जिले के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों से दो हथियार, कारतूस, नक्सली साहित्य समेत मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ के साथ ही अन्य सक्रिय नक्सलियों की तलाश में जुटी हुई है।

शिवराज ने किया खेत का औचक निरीक्षण, किसानों की जली फसल देख जताई नाराज़गी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले के छीरखेड़ा गाँव में सोयाबीन के खेतों का औचक निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री को शिकायत मिली थी कि खरपतवार नाशक दवा डालने से किसानों की सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। कृषि मंत्री चौहान, अचानक खेतों में पहुँचे और सैकड़ों किसानों और कृषि विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने पाया कि खेतों में सोयाबीन की जगह खरपतवार खड़े हैं और पूरी फसल जल चुकी है। किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह नुकसान एचपीएम कंपनी की दवा डालने से हुआ है। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ एक खेत तक सीमित नहीं है, बल्कि कई किसानों ने ऐसी शिकायतें की हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि इस मामले में की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय वैज्ञानिकों का दल प्रभावित खेतों का निरीक्षण करेगा और जांच कर दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं - केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दोहराया कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) आधारित डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह बयान डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और इसे उपयोगकर्ताओं के लिए किफायती बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया, 'भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 की धारा 10ए के तहत, यूपीआई जैसे इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर कोई भी बैंक या सिस्टम प्रदाता शुल्क नहीं लगाएगा।卐 केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269एसयू के तहत शुल्क-मुक्त भुगतान माध्यमों के रूप में अधिसूचित किया है।

यूपीआई की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक प्रोत्साहन योजना लागू की। इस दौरान, इकोसिस्टम पार्टनर्स को लगभग 8,730 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन समर्थन प्रदान किया गया।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2017-18 में 92 करोड़ लेनदेन से शुरू होकर, वित्त वर्ष 2024-25 में यह 18,587 करोड़ तक पहुंच गया, जो 114त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है। लेनदेन मूल्य भी 1.10 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यूपीआई ने 1,946.79 करोड़ से अधिक लेनदेन के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया।

संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन, एसआईआर और वोट चोरी मुद्दे पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के बीच सोमवार को विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वोट चोरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सांसदों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर 'वोट चोरी बंद करो', 'मोदी सरकार हाय-हाय' के नारे लगाए।

विपक्ष के इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। उनके साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रमुक (डीएमके), वामपंथी दलों, राजद (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद भी शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है और यह सरकार के इशारे पर की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने तमिलनाडु और तेलंगाना के मुद्दों का भी जिक्र किया। तेलंगाना के किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य को 8.3 लाख मीट्रिक टन यूरिया देने का वादा किया था, लेकिन अब तक सिर्फ 5.3 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध कराया गया है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस तरह के प्रदर्शन जरूरी हैं। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए, लेकिन सरकार उसकी साख को कमजोर कर रही है।

संसद का मानसून सत्र: विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली, । संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के जोरदार विरोध और हंगामे के बीच स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले उपसभापति ने नियम 267 के तहत आई सभी 19 नोटिस खारिज कर दिए, जिसके बाद विपक्ष ने जोरदार विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। इसी तरह लोकसभा में भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल बाधित हुआ और सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित करना पड़ा। विपक्ष के विरोध के चलते लगातार संसद का मानसून सत्र लगभग ठप रहा है। ऐसे में सोमवार को सरकार ने लोकसभा के एजेंडे में दो महत्वपूर्ण विषय सूचीबद्ध किए हैं, जिनमें भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मिशन और विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका पर विशेष चर्चा। और जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, जिसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सदन में पेश करेंगे। इस विधेयक का उद्देश्य छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना है। गौरतलब है कि मानसून सत्र की कार्यवाही इससे पहले 12 अगस्त को करीब एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई थी। अब दोबारा शुरू हुई कार्यवाही के पहले ही दिन विपक्ष और सरकार के बीच टकराव देखने को मिला।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने पर पीएम समेत कई नेताओं ने राधाकृष्णन को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें इस अवसर पर बधाई दी। इसे लेकर अन्य नेताओं की ओर से भी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं दी जा रही हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सीपी राधाकृष्णन ने अपनी लगन, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने हमेशा सामुदायिक सेवा और वंचितों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर व्यापक कार्य किया है। मुझे खुशी है कि एनडीए परिवार ने उन्हें हमारे गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार के रूप में नामित होने पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को बधाई। एक सांसद और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल के रूप में आपकी भूमिकाओं ने संवैधानिक कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आपका विशाल अनुभव और ज्ञान उच्च सदन की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा और नई उपलब्धियां हासिल करेगा। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा संसदीय बोर्ड के सभी सदस्यों का आभार।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार घोषित होने पर सीपी राधाकृष्णन को बधाई। वर्तमान में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, इससे पहले वे झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं। इसके अलावा, वे लोकसभा में सांसद भी रह चुके हैं। वहीं, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने पर बधाई। एक वरिष्ठ राजनेता और सम्मानित नेता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक देश की विशिष्ट सेवा की है। तेलुगु देशम पार्टी उनके नामांकन का हार्दिक स्वागत करती है और अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त करती है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सीपी राधाकृष्णन के नाम का समर्थन किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उपराष्ट्रपति के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को हमारा पूर्ण समर्थन है। हम सड़क से लेकर सदन तक एनडीए के साथ हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। मैं उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

चंद्रपुर पोनुसामी राधाकृष्णन को 31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले, उन्होंने लगभग डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में काम किया। इसके अलावा, वे तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में उपराष्ट्रपति पद को लेकर चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडिया गठबंधन के नेताओं की लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में बैठक हुई जिसमें मतदाता सूची पुनरीक्षण के साथ ही उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। इस बीच विपक्षी दलों के सदस्यों ने पिछले सप्ताह की तरह सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन के मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर बैनर लेकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया। इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्षी दलों की इस बैठक में चर्चा हुई लेकिन इस बारे में व्यापक विचार विमर्श अभी किया जाना है और उसके बाद सबकी सहमति से इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार तय किया जाएगा। कांग्रेस के मणिक्कम टैगोर ने कहा कि इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार उतरेगा और इसके लिए गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी। उनका कहना था की सत्ता पक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन की पृष्ठभूमि आरएसएस की है और इसे बर्दाश्त नहीं जा सकता।

चुनाव आयोग को लेकर संसद में हंगामा नहीं होना चाहिए - रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सरकार चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की प्रवक्ता नहीं है इसलिए विपक्ष को उसे मुद्दा बनाकर संसद में हंगामा नहीं करना चाहिए। उन्होंने सुबह एक बयान में कहा, 'चुनाव आयोग और कांग्रेस के बीच जो बात है उसका जवाब आयोग ही दे सकता है। आयोग से जो पूछा गया है उसके बारे में आयोग ही बता सकता है। संसद में हंगामा करने से कुछ नहीं होगा। हम चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं है, वह एक संवैधानिक संस्था है उसका जवाब हम नहीं दे सकते।' उन्होंने कैप्टन सौरभ शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा की सफलता पर आज संसद के एजेंडा में विशेष चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी दलों को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की सफलताओं के लिए इस महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लेना चाहिए। विपक्ष को दलगत राजनीति से उठकर हमारे अंतरिक्ष यात्रियों ,वैज्ञानिकों और इसरो के कार्यक्रम में शामिल लोगों की सराहना के लिए चर्चा में शामिल होना चाहिए।

'वोट चोरी' का नया हथियार है एसआईआर, 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा करेंगे: राहुल

औरंगाबाद(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को 'वोट चोरी का नया हथियार' करार दिया और कहा कि वह 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा के लिए खड़े हैं।राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन यह भी कहा कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी को किसी भी हाल में खत्म नहीं होने दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद के कुटुंबा से शुरू की और आज की यात्रा का समापन गया में होगा। कुटुंबा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार का विधानसभा क्षेत्र है।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ इस यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता शामिल हैं।

यात्रा के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद स्थित प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में दर्शन किए।राहुल गांधी ने ऐसे कई लोगों से मुलाकात की एक तस्वीर अपने व्हाट्सएप चैनल पर साझा की जिनके नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। कांग्रेस नेता ने कहा, 'एसआईसीआर वोट चोरी का एक नया हथियार है। इत्तेफ़ाक से इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के 'जीते-जागते' सबूत हैं।' उन्होंने कहा कि इन सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था, मगर बिहार विधानसभा चुनाव आते आते भारत के लोकतंत्र से इनकी पहचान, इनका वजूद मिटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने किसान एवं सेवानिवृत्त फौजी राज मोहन सिंह (70), दलित महिला उमरावती देवी (35), पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले धनजेय कुमार बिंद (30), मनरेगा में मजदूर रहीं सीता देवी (45), महिला एवं पूर्व मनरेगा मज़दूर राजू देवी (55) और मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मजदूर मोहमुद्दीन अंसारी (52) से मुलाकात की। उनके मुताबिक, इनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, जबकि लोकसभा चुनाव में इन्होंने मतदान किया था। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सज़ा दे रही है।

उन्होंने कहा, 'हमारे जवानों तक को नहीं छोड़ा - न वोट रहेगा, न पहचान रहेगी, और न ही अधिकार।' राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक भेदभाव और आर्थिक परिस्थितियों के कारण ये सब 'सिस्टम' के षड्यंत्र के विरुद्ध लड़ पाने में असमर्थ हैं।कांग्रेस नेता ने कहा, 'उनके साथ हम यहां खड़े हैं 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सबसे मूल अधिकार की रक्षा करने के लिए।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह हक़ का, हिस्सेदारी का, लोकतंत्र में सबकी भागीदारी का सवाल है। इसे हम किसी भी हालत में खत्म नहीं होने देंगे।'

ममता के मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से जमानत... लेकिन रिहाई होगी तीन माह बाद

- बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में आया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में फंसे राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई केस में पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी है। हालांकि, इस दौरान सीबीआई ने ममता के मंत्री चटर्जी की जमानत का जोरदार विरोध किया। लेकिन सीबीआई के विरोध को दरकिनार कर सुप्रीम कोर्ट ने ममता के मंत्री को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी चटर्जी की रिहाई तुरंत नहीं होगी, बल्कि यह तीन महीने बाद निचली अदालत की ओर से तय किए जाने वाले बेल बॉन्ड पर निर्भर होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया कि ट्रायल कोर्ट मामले में चार्ज फ्रेम करने की प्रक्रिया 4 हफ्तों के भीतर पूरी करे। इसके बाद अगले 2 महीने में गवाहों की गवाही भी पूरी करे। इसी प्रक्रिया के बाद चटर्जी की रिहाई हो सकेगी।

यह पहली बार नहीं है जब चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। इसके पहले 13 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जमानत दी थी। उस आदेश के तहत भी उनकी जमानत 1 फरवरी 2025 से लागू हुई थी, यानी लगभग तीन महीने बाद। ठीक उसी तरह अब सीबीआई केस में भी उनकी रिहाई तीन महीने बाद होगी।

बता दें कि बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को स्कूल जॉब के लिए कैश मामले में 151.26 करोड़ रुपए के कुल घोटाले की राशि में सबसे ज्यादा लाभार्थी दिखाया गया है, जैसा कि इसके पांचवें और अंतिम पूरक आरोपपत्र में विस्तार से बताया गया है।

एलएसी पर जवान, अमेरिकी टैरिफ... चीनी विदेश मंत्री संग जयशंकर ने किन-किन मुद्दों पर की बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और एक बैठक की। वांग के साथ अपनी बैठक में, जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाई एक और प्रमुख प्राथमिकता है। मैं हमारे विचारों के आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। कुल मिलाकर, हमारी आशा है कि हमारी चर्चाएँ भारत और चीन के बीच एक स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंध बनाने में योगदान देंगी, जो हमारे हितों की पूर्ति करेगा और हमारी चिंताओं का समाधान करेगा।

वांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता में भाग लेने के लिए सोमवार को भारत की दो दिवसीय यात्रा शुरू की। यह बैठक डोभाल की दिसंबर में बीजिंग यात्रा के बाद हो रही है, जहाँ उन्होंने 23वें दौर की वार्ता की थी। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान वार्ता तंत्र को पुनर्जीवित करने पर सहमति जताए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुई थी।

इससे पहले, चीन ने कहा था कि विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों पक्षों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ और पिछले दौर की सीमा वार्ता में लिए गए निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करना है। वांग, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता में भाग लेने के लिए दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। डोभाल दिसंबर में चीन गए थे और उन्होंने वांग के साथ 23वें दौर की वार्ता की थी। यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर रूसी शहर कज़ान में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच विभिन्न संवाद तंत्रों को पुनर्जीवित करने के निर्णय के कुछ हफ़्ते बाद हुई थी।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि वांग की यात्रा के माध्यम से चीन भारत के साथ मिलकर नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण आम सहमतियों को साकार करने, उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखने, राजनीतिक विश्वास बढ़ाने, व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने, मतभेदों को उचित ढंग से सुलझाने और चीन-भारत संबंधों के निरंतर, सुदृढ़ और स्थिर विकास को बढ़ावा देने की आशा करता है। माओ ने सोमवार को यहाँ एक मीडिया ब्रीफिंग में वांग की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता दोनों देशों के बीच सीमा वार्ता का एक उच्च-स्तरीय माध्यम है। उन्होंने कहा कि बीजिंग में 23वें दौर की वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने परिसीमन, बातचीत, सीमा प्रबंधन तंत्र, सीमा पार आदान-प्रदान और सहयोग पर कई आम सहमतियाँ हासिल कीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्षय ऊर्जा : असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

लेखक- योगेश कुमार गोयल

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा

(अक्षय ऊर्जा दिवस (20 अगस्त) पर विशेष)

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है।

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

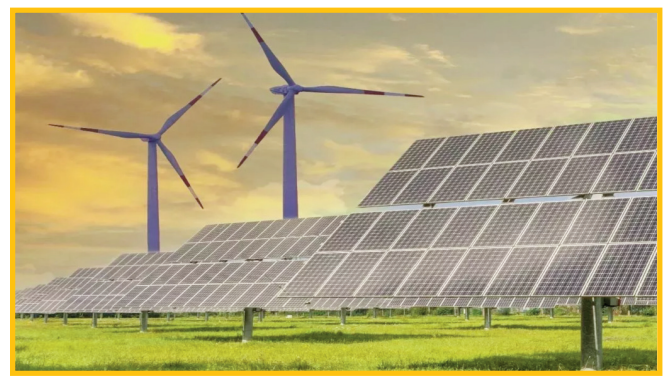

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

संपादकीय

लाइलाज प्लास्टिक

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती। बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए। इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि लोग प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के प्रति उत्साह दिखाएं। अंततः सभी प्रमुख हितधारकों - केंद्र सरकार व राज्यों की सरकारें, जनता, उद्योग जगत को देश में प्लास्टिक के खतरनाक स्तर को कम करने में मदद करने के लिये आगे आना होगा।

आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

(लेखक- -ललित गर्ग)

(पर्युषण महापर्व- 20-27 अगस्त, 2025)

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है। जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। 'पर्युषण' का शाब्दिक अर्थ है-अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना। इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगस्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे। इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंतर्आत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा। पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है-आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी ''दशलक्षण पर्व'' के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धर्मानुष्ठान करते नजर आते हैं।

पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है। यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वास्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है।

पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 'क्षमावाणी' का आयोजन होता है, जिसे 'क्षमा दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है-卐मिच्छामि दुक्कडम्卐 अर्थात् यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पीड़ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है। पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है'''आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''-'श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले-यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है।

प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं।

वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं। अपनी नाव अपने बलबूते खेते हैं और उसमें बिठाकर अन्यों को भी पार करते हैं। कारखानों के व्यवस्थापक और शासनाध्यक्ष प्रायः इन्हीं विशेषताओं से सम्पन्न होते हैं। बोलचाल की भाषा में उन्हें ही प्रतिभावान कहते हैं।सबसे ऊंची श्रेणी देवमानवों की है, जिन्हें महापुरुष भी कहते हैं। प्रतिभा तो उनमें भरपूर होती हैं, पर वे उसका उपयोग आत्म परिष्कार से लेकर लोकमंगल तक उच्च स्तरीय प्रयोजनों में लगाते हैं। निजी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के बजाय अपने शक्ति भंडार को परमार्थ में लगाते हैं। किसी देश की सच्ची संपदा वे ही समझे जाते हैं। वे अपने कार्य क्षेत्र को नंदनवन जैसा सुवासित करते हैं। जहां भी बादलों की तरह बरसते हैं, वहीं मखमली हरीतिमा का फर्श बिछा देते हैं और वसंत की तरह अवतरित होते हैं।

विचार मंथन

बी सुदर्शन रेड्डी विपक्ष के उम्मीदवार, दक्षिण बनाम दक्षिण

(लेखक- सनत जैन)

- सत्ता पक्ष के नहले पर विपक्ष का दहला

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सत्ता पक्ष ने महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है। दक्षिण की राजनीति करने के लिए तथा डीएमके में फूट डालने के लिए सत्ता पक्ष ने यह दांव चला था। विपक्ष ने सत्ता पक्ष के उम्मीदवार के मुकाबले में एक ऐसा उम्मीदवार उपराष्ट्रपति के चुनाव में उतार दिया है। जिसके कारण यह चुनाव बहुत रोचक हो गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपने-अपने तरकश से जो तीर निकाले हैं। उससे चुनाव परिणाम किसके पक्ष में होगा, कहना मुश्किल हो गया है। सत्ता पक्ष के उम्मीदवार राधाकृष्णन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तमिलनाडु के रहे हैं। वह झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उनकी पृष्ठभूमि भाजपा और संघ की है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह से राज्यसभा के सभापति के रूप में विपक्ष को दबाने का काम किया था। उनके कार्यकाल में जिस तरीके से सांसदों का निष्कासन हुआ था। विपक्ष की बात वह सुनते ही नहीं थे। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति पद के लिये जो उम्मीदवार खड़ा किया है। वह उम्मीदवार केवल प्रतीकात्मक नहीं है। विपक्ष हर हाल में रेड्डी को जिताकर लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। विपक्ष ने सभी विपक्षी राजनीतिक दलों की आम सहमति से पी सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। रेड्डी आंध्र प्रदेश से आते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज हैं। 1995 में वह आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने थे। 12 जनवरी 2007 को यह सुप्रीम कोर्ट के जज बने। 8 जुलाई 2011 को यह सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत हुए हैं। इनका पूरा जीवन निर्विवाद रहा है। विपक्ष ने इन्हें उम्मीदवार बनाकर एनडीए गठबंधन में फूट डालने का इंतजाम कर लिया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एनडीए गठबंधन में शामिल हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उतारकर इंडिया गठबंधन में शामिल डीएमके में फूट डालने की रणनीति तैयार की थी। विपक्ष ने वही पेंतरा अपनाते हुए सत्ता पक्ष को रेड्डी के रूप में जवाब दे दिया है। बिहार की संगत मतदाता सूची परीक्षण को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में आर पार की लड़ाई चल रही है। सभी विपक्षी दल इंडिया गठबंधन के साथ आकर खड़े हो गए हैं। हाल ही में कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव में जिस तरह से संजीव बालियान को पराजित कर राजीव प्रताप रूडी को चुनाव जिताकर विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को चुनौती दी है। लगभग वही चुनौती उप-राष्ट्रपति के चुनाव में अब देखने को मिल रही है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में वर्तमान लोकसभा के सदस्य और राज्यसभा के सदस्य मतदान करते हैं। दक्षिण भारत का उम्मीदवार उतारकर सत्ता पक्ष ने जो रणनीति तैयार की थी। उसका जवाब विपक्ष ने बड़े अच्छे तरीके से दिया है। सत्ता पक्ष के नहले पर विपक्ष ने दहला चलाकर बाजी जीतने की चाल चली है। लोकसभा की सदस्य संख्या 542 तथा राज्यसभा की संख्या 240 है। कुल 782 सांसदों के पास मताधिकार है। इसमें एनडीए गठबंधन के पास 422 सदस्य है। विपक्ष के पास 360 सदस्य दोनों सदनों के हैं। विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी से संपर्क किया। इस नाम पर विपक्ष के सभी राजनीतिक दल सहमत हो गए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्ष के उम्मीदवार का नाम घोषित कर दिया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की लड़ाई में विपक्ष ने सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। जिस तरह के समीकरण बने हुए हैं, उसमें भाजपा में आंतरिक संघर्ष तेज है। एनडीए गठबंधन में भी अविश्वास बना हुआ है। रही-सही कसर चंद्रबाबू नायडू के लिए विपक्ष ने तैयार कर दी है। वह उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार का समर्थन नहीं करते हैं, ऐसी स्थिति में उन्हें आंध्र प्रदेश की राजनीति में कई चुनौतियां मिल ना तय हैं। जीत-हार के इस खेल में शुरुआती दौर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कांटे की टक्कर होना तय है। विपक्ष का उम्मीदवार किसी भी मामले में कम नहीं है। कोई आश्चर्य नहीं होगा, उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार जीत जाये। चुनाव आयोग के कारण विपक्ष एकजुट हो चुका है। सत्ता पक्ष में इस समय बिखराव की स्थिति बनी हुई है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा विहिप जारी करने की कोई प्रावधान नहीं है। ऐसी स्थिति में सांसद अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करेंगे। 10 सांसद भी सत्ता पक्ष के बदल जाते है तो विपक्ष का उम्मीदवार आसानी से चुनाव जीतने की स्थिति में है। दोनों नाम सामने आने के बाद सांसदों की खरीद-फरोख्त कर अपने पाले में लाने का खेल सत्ता पक्ष और विपक्ष खेल सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमटीएनएल की जुलाई तक बैंक कर्ज चूक बढ़कर 8,659 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कंपनी की बैंक कर्ज भुगतान में चूक जुलाई 2025 के अंत तक बढ़कर 8,659.09 करोड़ रुपये हो गई है। एमटीएनएल ने इस जानकारी को शेयर बाजार को सूचित किया है। घाटे में चल रही इस कंपनी का कुल ऋण दायित्व 31 जुलाई तक 34,577 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 8,659.09 करोड़ रुपये बैंक ऋण, 24,071 करोड़ रुपये सरकारी गारंटी वाले बॉन्ड, और 1,921 करोड़ रुपये बॉन्ड पर ब्याज के भुगतान के लिए लिए गए ऋण शामिल हैं। कंपनी ने कई बैंकों को भुगतान में चूक की है। इनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 3,768.37 करोड़ रुपये, इंडियन ओवरसीज बैंक को 2,455.01 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ इंडिया को 1,131.54 करोड़ रुपये, पंजाब नेशनल बैंक को 478.26 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक को 363.43 करोड़ रुपये, यूको बैंक को 276.08 करोड़ रुपये और पंजाब एंड सिंध बैंक को 186.4 करोड़ रुपये की देनदारी शामिल है। यह चूक अगस्त 2024 से फरवरी 2025 के बीच हुई है। एमटीएनएल ने 31 मार्च 2025 के अंत तक 8,346.24 करोड़ रुपये की चूक की सूचना दी थी, जो अब बढ़कर 8,659 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

में खुलेगा देश का पहला जस्ता अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र

नई दिल्ली । हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल), जो वेदांता समूह की एक प्रमुख कंपनी है, ने देश का पहला जस्ता धातु अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। यह संयंत्र राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के रामपुरा अगुचा क्षेत्र में लगाया जाएगा। एचजेडएल के निदेशक मंडल ने इस परियोजना के लिए 3,823 करोड़ रुपये तक के निवेश को मंजूरी दी है। यह संयंत्र एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता वाला होगा और इसके निर्माण में लगभग 28 महीने लगने की उम्मीद है। एचजेडएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना कंपनी की दीर्घकालिक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उत्पादन क्षमता को दोगुना करना है। संयंत्र में वैश्विक विशेषज्ञों की भागीदारी से तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है, जिससे पुराने खनन अपशिष्ट से जस्ता और चांदी जैसी कीमती धातुएं दोबारा प्राप्त की जा सकेंगी।कंपनी ने पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश से 2.5 लाख टन वार्षिक परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता बढ़ाने और खनिज प्रसंस्करण अवसंरचना को उन्नत करने की योजना मंजूर की हुई है।

आइनॉक्स विंड ने आईआरएसएल में 175 करोड़ की हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । भारत की अग्रणी पवन ऊर्जा कंपनी आइनॉक्स विंड लिमिटेड ने अपनी ईपीसी अनुषंगी कंपनी, आइनॉक्स रिन्यूएबल सॉल्यूशंस लिमिटेड (आईआरएसएल) में 175 करोड़ की हिस्सेदारी 7,400 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर निवेशकों को बेच दी है। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि हाल ही में आईआरएसएल के प्रस्तावित विलय को शेयर बाजारों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, जिससे यह सौदा आगे बढ़ा। आइनॉक्स विंड लिमिटेड 12 अरब डॉलर के आइनॉक्सजीएफएल समूह का हिस्सा है, जो नौ दशकों से रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सक्रिय है। यह निवेश भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और आइनॉक्स समूह की विस्तार रणनीति को मजबूती देता है। इस सौदे से कंपनी को वित्तीय मजबूती मिलेगी और भविष्य में विकास के नए अवसर खुलेंगे।

म्युचुअल फंड का बैंकिंग सेक्टर में रिकॉर्ड 10200 करोड़ का निवेश

- शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली देसी निवेशकों की खरीदारी

मुंबई ।

शेयर बाजार में म्युचुअल फंड्स का निवेश बैंकिंग कंपनियों में बडी मात्रा में हो रहा है। जुलाई माह में 45400 करोड रुपए के शेयर म्युचुअल फंड ने खरीदे हैं। इसमें से स्टेट बैंक आफ इंडिया में 10200 करोड रुपए का निवेश म्युचुअल फंड ने किया है।जो अभी तक का सबसे बड़ा निवेश है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से बिकवाली करके बाहर निकल रहे हैं। ऐसी स्थिति में म्युचुअल फंड्स ने शेयर बाजार मैं निवेश बढ़ाकर शेयर बाजार को गिरने से रोक रखा है। म्युचुअल फंड्स ने सबसे ज्यादा निवेश बैंकिंग सेक्टर और आईटी सेक्टर में किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार म्युचुअल फंड ने एसबीआई में 10200 करोड़, इंफोसिस में ₹5400 करोड़, टीसीएस में 4000 करोड़, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 3900 करोड़ तथा एचडीबी फाइनेंशियल में 2900 करोड रुपए का निवेश किया है। जुलाई माह में शेयर बाजार में भारी उतार चढाव देखने को मिला है। विदेशी निवेशक लगातार अपना निवेश निकलकर

भारतीय शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं।ऐसी स्थिति में भारतीय निवेशकों ने शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाया है। म्युचुअल फंड्स की कैश होल्डिंग जून में 1.82 लाख करोड़ थी। जो जुलाई में बढ़कर 1.85 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 35 पैसे बढ़त के साथ ही 87.04 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। रुपये की इस मजबूती को निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो देश की आर्थिक नीतियों में भरोसे को दर्शाता है।

देश के सर्राफा बाजार में सोना-चांदी के दामों में गिरावट

- 91000 हजार से नीचे आया 22 कैरेट सोना, प्रति किलोग्राम चांदी 1,13,165 रुपए

नई दिल्ली । भारतीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने का भाव 99,146 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले दिन की तुलना में 477 रुपये सस्ता हुआ है। इसी प्रकार 995 शुद्धता वाला सोना 98,749 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जो 475 रुपये की कमी दर्शाता है। 22 कैरेट यानी 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 90,818 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो पिछले भाव से 437 रुपये नीचे है। 18 कैरेट (750 शुद्धता) सोने का भाव 74,360 रुपये और 14 कैरेट (585 शुद्धता) सोने का भाव 58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज हुई है। प्रति किलोग्राम चांदी का भाव 1,13,165 रुपये हो गया है, जो सोमवार के 1,14,050 रुपये के मुकाबले 885 रुपये सस्ता है। ये कीमतें जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना हैं, जो ज्वेलरी खरीदते समय अलग से लगते हैं। भारत में सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव वैश्विक बाजार और डॉलर की स्थिति के हिसाब से नियमित होता रहता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए जबकि 951 शेयरों में गिरावट रही

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। वीकली एक्पायरी से भी बाजार ऊपर आया। आज मिड कैप और स्मालकैप शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 370.64 अंक बढ़कर 81,644.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 103.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,980.65 अंक पर बंद हुआ। आज एनएसई पर 3,077 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें से 2,031 शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए जबकि 951 शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा 95 शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं आया। आज टाटा मोटर्स , अदानी पोर्ट्स, रिलायंस , हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो के शेयरों में तेजी रही जबकि डॉ. रेड्डीज लैब्स , बजाज फिनसर्व, हिंडाल्को , सिप्ला, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर गिरे। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

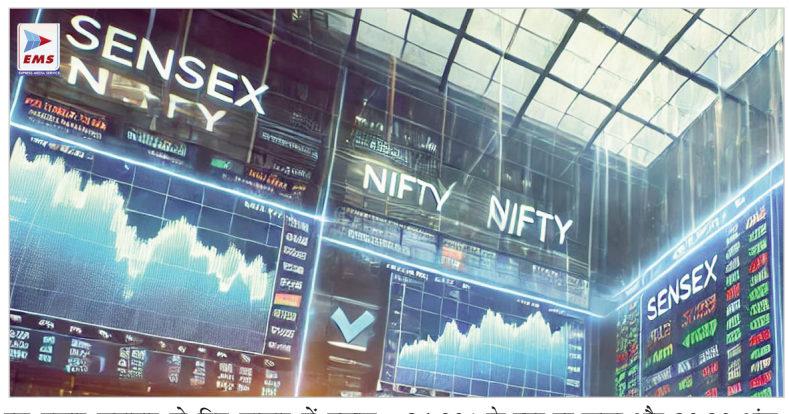

इस प्रकार लगातार दो दिन बाजार में उछाल आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई उछाल के कारण देखी गई, जो जियो द्वारा टैरिफ दरें बढ़ाए जाने के बाद आया। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार को सपोर्ट मिला। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 81,319 पर खुला। सुबह शुरुआत में यह 197.96 अंक चढ़कर 81,471.71 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 24,891 के स्तर पर खुला और 39.30 अंक की बढ़त के साथ 24,914 पर कारोबार कर रहा था। वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में गिरावट दर्ज की गई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.33 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.04 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.08 फीसदी नीचे रहे। अमेरिका के बाजार सोमवार को लगभग स्थिर रहे। एसएंडपी 500 फ्लैट बंद हुआ जबकि डॉव जोंस में 0.07 फीसदी की गिरावट आई।

एलआईसी हाउं सिंग फाइनेंस ने 500 फीसदी का डिविडेंड घोषित किया

- कंपनी के इतिहास में 2010 के बाद पहली बार सबसे बड़ा डिविडेंड है

नई दिल्ली ।

बीएसई 500 में शामिल एलआईसी हाउे सिंग फाइनेंस ने अपने निवेशकों को इस बार एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने 10 रुपए प्रति शेयर यानी 500 फीसदी का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है, जो कंपनी के इतिहास में 2010 के बाद पहली बार सबसे बड़ा डिविडेंड है। यह डिविडेंड एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रमोटर एलआईसी की मजबूत वित्तीय स्थिति और निवेशकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी ने डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 22 अगस्त तय की है। इसका मतलब यह है कि 22 अगस्त तक जिन निवेशकों के पास एलआईसी के शेयर होंगे, वे इस डिविडेंड के हकदार होंगे। इसके बाद शेयर खरीदने वाले निवेशकों को डिविडेंड नहीं मिलेगा। कंपनी की 36वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 29 अगस्त को होगी, जिसमें शेयरधारक इस डिविडेंड की मंजूरी देंगे। एजीएम के बाद अगले 30 दिनों के भीतर डिविडेंड की राशि योग्य निवेशकों के खातों में जमा कर दी जाएगी। सोमवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई पर 0.19 फीसदी गिरकर 567.75 पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी का स्टॉक पिछले एक साल में लगभग 14 फीसदी का निगेटिव रिटर्न देने के बावजूद, लॉन्ग टर्म निवेशकों को अच्छा लाभ

पहुंचा चुका है। पिछले दो वर्षों में शेयर ने 37, तीन वर्षों में 43, और पांच वर्षों में 112 फीसदी का रिटर्न दिया है।

मध्यम दर्जे के पेशेवर एआई को अपनाने के लिए तैयार: रिपोर्ट

मुंबई। भारत में कार्यस्थल पर तकनीकी बदलाव की लहर को अब मध्यम दर्जे के पेशेवर नेतृत्व दे रहे हैं। 35 से 54 वर्ष आयु वर्ग के कर्मचारी न केवल कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए तैयार हैं, बल्कि इसमें विशेषज्ञता हासिल करने हेतु सक्रिय रूप से प्रशिक्षण के अवसर भी तलाश रहे हैं। एक जॉब वेबसाइट द्वारा जारी वर्क अहेड रिपोर्ट के अनुसार, 56 फीसदी मध्यम दर्जे के पेशेवरों का मानना है कि भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए उन्हें और प्रशिक्षण की जरूरत है। इसके विपरीत, केवल 41 फीसदी युवा पेशेवर (18-24 वर्ष) ही ऐसा सोचते हैं। रिपोर्ट बताती है कि इस आयु वर्ग के 49 फीसदी पेशेवर खुद को एआई से लैस कार्यस्थलों में काम करने के लिए तैयार मानते हैं, जो युवाओं की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वास दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का कार्यबल खासकर मध्यम वर्ग के कर्मचारी न सिर्फ बदलाव से तालमेल बैठा रहे हैं, बल्कि बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं। वे 'एजेंटिक एआई' यानी ऐसे सिस्टम जो स्वायत्त रूप से निर्णय ले सकते हैं, के प्रति भी खास रुचि दिखा रहे हैं। सर्वे में शामिल 3,001 कर्मचारियों में से 29 फीसदी ने कहा कि वे अपनी शर्तों पर कौशल उन्नयन के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग विकल्प खोज रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार एआई से संबंधित कौशल भविष्य में वेतन वृद्धि, पदोन्नति और करियर की नई संभावनाओं की कुंजी बनेंगे।

एचपी ने भारत में उत्पादन क्षमता दोगुनी करने का किया ऐलान

- कंपन का एमएसएमई और एआई पीसी पर विशेष फोकस

नई दिल्ली ।

भारत के पारंपरिक पीसी बाजार में एचपी ने अपनी मजबूत स्थिति को और मजबूत करते हुए पीएलआई 2.0 योजना के तहत देश में अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दोगुना करने का बड़ा फैसला लिया है। कंपनी का लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में उत्पादन क्षमता को लगभग 35 फीसदी तक बढ़ाना है। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में भारत का पारंपरिक पीसी मार्केट 8.1 फीसदी की दर से बढ़ा और कुल 33 लाख यूनिट शिप किए गए। इस दौरान HP ने 29.1त्न मार्केट शेयर के साथ नेतृत्व बनाए रखा और शिपमेंट में 4.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। एचपी इंडिया, बांग्लादेश और श्रीलंका के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने डिक्सान टेक्नोलॉजी के साथ साझेदारी कर उत्पादन में तेजी लाई है। पहले वर्ष में क्षमता 6 से बढ़कर 13 फीसदी हो गई है, जिसे भविष्य में 35 फीसदी तक ले जाया जाएगा। एचपी का खास फोकस एमएसएमई और टियर-2, टियर-3 शहरों पर है, जहां कंपनी ने एचपी कनेक्ट स्टोर्स लॉन्च किए हैं। ये स्टोर कस्टमाइज्ड तकनीकी समाधान और प्रोडक्ट डेमो प्रदान करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एचपी की उत्पादन क्षमता और कनेक्टिविटी विस्तार के कारण नोएडा, द्वारका, नजफगढ़ और बहादुरगढ़ जैसे क्षेत्रों में रियल एस्टेट की

मांग बढ़ेगी। इसके परिणामस्वरूप आवासीय संपत्तियों की कीमतें 25-40 फीसदी और वाणिज्यिक स्थानों की कीमतें 20-30 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। एचपी प्रिंटिंग, हेडसेट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसे उपकरणों के साथ डिजिटल समाधान भी प्रदान कर रही है।

टाटा कैपिटल का मुनाफा दोगुना होकर 1,040.93 करोड़ पहुंचा

- पिछले वर्ष की समान अवधि में मुनाफा 472.21 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल ने अप्रैल-जून तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक बढ़ा लिया है। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,040.93 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 472.21 करोड़ रुपए था। इसी दौरान कंपनी की कुल आय भी 7,691.65 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले साल के अप्रैल-जून में 6,557.40 करोड़ रुपए थी। यह वृद्धि टाटा कैपिटल की मजबूत वित्तीय स्थिति और बेहतर व्यवसाय प्रबंधन का संकेत है। टाटा कैपिटल ने इस महीने की शुरुआत में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 47.58 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा किए हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक प्रस्तावित इस आईपीओ का आकार लगभग 2 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है, जिससे कंपनी का कुल मूल्यांकन करीब 11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस आईपीओ में कुल 47.58 करोड़ शेयर होंगे, जिनमें से 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और 26.58 करोड़ शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। वर्तमान में टाटा संस के पास टाटा कैपिटल की 88.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस आईपीओ के बाद कंपनी को पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी, जिससे वह अपने व्यावसायिक विस्तार और नवाचार योजनाओं को और मजबूत कर सकेगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि टाटा कैपिटल का यह कदम वित्तीय क्षेत्र में उसकी पकड़ को और मजबूत करेगा और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करेगा।

कंपनी की इस तिमाही की सफलता और आगामी आईपीओ से वित्तीय बाजार में टाटा कैपिटल की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिवाली से पहले सस्ते होंगे टीवी, एसी और कारें

- जीएसटी परिषद 20-21 अगस्त को होने वाली बैठक में टैक्स घटाने पर विचार करेगी

नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले केंद्र सरकार आम जनता को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। महंगे होम अप्लायंसेज और एंट्री-लेवल कारों की कीमतें जल्द ही कम हो सकती हैं। जीएसटी परिषद 20-21 अगस्त को होने वाली बैठक में टीवी, एसी, डिशवॉशर जैसे उत्पादों पर टैक्स घटाने पर विचार करेगी। फिलहाल इन उत्पादों पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है, जिसे घटाकर 18% करने का प्रस्ताव है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो 32 इंच से बड़े टेलीविजन 10,000 तक सस्ते हो सकते हैं। वहीं, एसी की कीमतों में 1500 से 2500 रुपए तक की गिरावट संभव है। डिशवॉशर, फ्रिज जैसे अन्य उपकरण भी 6-10 फीसदी तक सस्ते हो सकते हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से फेस्टिव सीजन में बिक्री में जबरदस्त उछाल आएगा। उपभोक्ता जो अभी तक महंगाई के कारण खरीददारी से बच रहे थे, वे अब खुलकर खर्च कर पाएंगे। सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स ही नहीं, सरकार एंट्री-लेवल कारों और छोटी एसयूवी पर भी कर दरों में राहत देने की योजना बना रही है। वर्तमान में इन पर 28 फीसदी जीएसटी के साथ 1-3 फीसदी सेस लगता है, जिससे कुल कर 31 फीसदी तक पहुंच जाता है। नए प्रस्ताव के तहत इन्हें भी 18 फीसदी स्लैब में लाया जा सकता है। इससे मारुति ऑल्टो के10, टाटा पंच, रेनॉल्ट क्विड जैसी गाड़ियाँ सस्ती हो जाएंगी। यह फैसला सितंबर 2025 में अंतिम रूप ले सकता है और नई दरें दिवाली से पहले लागू हो सकती हैं।

ओपन एआई ने पेश किया नया चेटजीपीटी गो प्लान, कीमत 399 रुपए प्रति माह

नई दिल्ली ।

सैम ऑल्टमैन के नेतृत्व वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने भारत के लिए नया सब्सक्रिप्शन प्लान चेटजीपीटी गो पेश किया है। यह प्लान खासतौर पर भारतीय यूज़र्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है और इसकी कीमत मात्र 399 प्रति माह है। कंपनी का कहना है कि इस प्लान में यूजर्स को जीपीटी-5 मॉडल पर आधारित एडवांस फीचर्स मिलेंगे, जिनमें ज्यादा मैसेज लिमिट, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोडिंग और चैट मेमोरी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, यह प्लान भारतीय भाषाओं का बेहतर सपोर्ट भी देगा, जिससे भाषा की बाधा कम होगी। ओपन एआई ने यह भी बताया कि भुगतान के लिए यूपीआई सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे भारतीय यूज़र्स के लिए पेमेंट और भी आसान हो गया है। वर्तमान में भारत में चेटजीपीटी प्लस (1,999 प्रति माह) और चेटजीपीटी प्रो

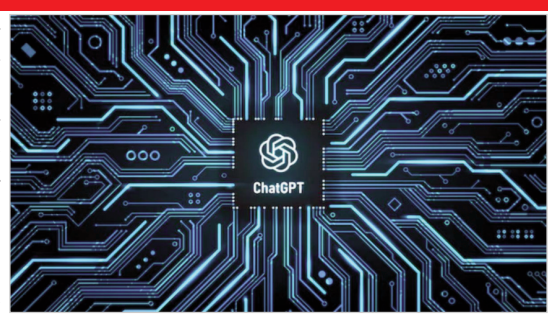

(19,900 प्रति माह) सब्सक्रिप्शन विकल्प मौजूद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित, शुभमन होंगे उपकप्तान

रिंकू, सैमसन और हार्दिक टीम में शामिल, यशस्वी व श्रेयस को नहीं मिली जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति ने इस टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाये रखा हैं। वहीं शुभमन गिल की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है जबकि श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में फिनिशर के तौर पर रिंकू सिंह को अवसर मिला है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को टीम में जगह मिली है।

यूएई के हालातों को देखते हुए स्पिनर खासे सफल रहते हैं। ऐसे स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अलावा कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया है। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी जबकि अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा उनका साथ देंगे। 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया गया है। सैमसन के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को टीम में जगह दी गयी है।

एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। जिसमें कुल 8 टीमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ओमान शामिल होगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से होगा। जिसके बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से खेलेगी जबकि 19 सितंबर को ओमान से मुकाबला होगा।

एशिया कप के लिए भारत का स्कॉड

सूर्य कुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (एजेंसी)। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया।

विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही।

अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी।

सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते।

मैच के बाद सिनर ने कहा, 'मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं।'

विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, 'मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो। यही असली चैंपियन करते हैं।'

हमें अगली सीरीज के लिए बुमराह के बारे में सोचने की जरूरत नहीं, पूर्व फिजियो का बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर बहस थमने का नाम नही ले रही है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में दो टेस्ट मैच में उनकी अनुपस्थिति की आलोचना की गई। कई लोगो ने बुमराह को अपने शरीर की बात सुनकर आराम देने के लिए सराहना की, वही कुछ ने अतिरिक्त प्रयास न करने के लिए उनकी आलोचना की।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए टीम इंडिया के पूर्व फिजियो जॉन ग्लोस्टर का मानना है कि बुमराह एक एथलीट की तरह जानते है कि उन्हें क्या करना है। ग्लोस्टर ने कहा, 'देखिए, मुझे पता है कि यह इस समय बहुत विवादास्पद विषय है और मैं ज्यादातर विवादास्पद विषयो पर खुशी खुशी बात करूंगा। मुझे लगता है कि आखिरकार एथलीट खुद को किसी से भी बेहतर जानता है।'

ग्लोस्टर ने आगे कहा, 'आजकल ज्यादातर एथलीट जिनके पास अच्छी स्पोर्ट्स टीमे है वे उन्ही लोगो से सलाह ले रहे है। लेकिन सहज रूप से ज्यादातर एथलीट जानते है कि क्या सही है और क्या गलत। और वह एक परिपक्व एथलीट है। वह एक चतुर व्यक्ति है जो अच्छी तरह जानते है कि वह क्या कर रहे है।'

ग्लोस्टर ने कहा कि वह नही चाहते कि बुमराह हर सीरीज खेले। उनका

मानना है कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ की चोट के बाद 31 वर्षीय बुमराह ने शानदार वापसी की है। इस पर ग्लोस्टर ने कहा, 'और मुझे लगता है कि दस में से नौ बार परिपक्व एथलीट जिन्हें अच्छा समर्थन मिलता है, वे सही फैसले लेते है। और हमें अगली सीरीज या उसके बाद की सीरीज के लिए बुमराह के बारे में नही सोचना है। हमें अगले दो से तीन सालो तक बुमराह के बारे में सोचना होगा।'

'वह जानते है कि उनका करियर, उनके करियर की लंबाई, उनका खेल जीवन, सही सलाह और परामर्श से ही तय होगा। यह ऐसा ही होगा। और वह जानते है कि ऐसे हालात भी आएंगे जब उनको अपने लिए फैसले लेने होंगे ताकि उनका करियर सबसे अच्छा और लंबा हो।'

हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एकदिवसीय विश्वकप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है।नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति ने महिला विश्व कप के लिए टीम चयन किया। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर टीम को दी गयी है जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तानी संभालेंगी। टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंहकी वापसी हुई है जबकि शैफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही श्री चरणी को टीम में जगह मिली है।

विश्वकप कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। फाइनल

मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है।

विश्वकप के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप : कपिल बैंसला ने लहराया तिरंगा, भारत को दिलाया गोल्ड

श्यामकेंट (कजाकिस्तान)। कजाकिस्तान के श्यामकेंट में जारी 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में कपिल बैंसला ने भारत का परचम लहराया है। हरियाणा के इस शूटर ने सोमवार को भारत के लिए पहला गोल्ड जीता। कपिल बैंसला ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेंस जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, 0.6 अंक से पिछड़ने के बाद उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव दूसरे पायदान पर रहे। कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने 220.7 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उज्बेकिस्तान के इल्खोम्बेक ने फाइनल में सबसे तेज शुरुआत की। कपिल उनका पीछा करते नजर आए। 15वें शॉट के बाद पहली बार कपिल ने इल्खोम्बेक को पीछाड़ा, लेकिन 20वें शॉट के बाद इल्खोम्बेक ने फिर बढ़त बना ली। आखिरी दो शॉट्स से पहले वह कपिल से एक अंक आगे थे। इसके बाद कपिल ने 10.8 और 10.6 का शानदार स्कोर किया, जबकि इल्खोम्बेक 23वें शॉट पर 10.4 और आखिरी शॉट पर 9.4 अंक हासिल कर सके। इल्खोम्बेक की इसी गलती का फायदा उठाते हुए कपिल ने खिताब अपने नाम कर लिया। इस फाइनल में तीन भारतीय शूटर पहुंचे थे। कपिल ने क्वालिफिकेशन में 579 प्वाइंट्स के साथ चौथा स्थान हासिल किया था, जबकि जोनाथन 582 प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा मुकेश नेलावली तीसरे पायदान पर थे। क्वालिफिकेशन में कोरियन खिलाड़ी किम डूयोन ने 582 प्वाइंट्स हासिल करते शीर्ष स्थान हासिल किया था।

शायद ही कभी भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे धोनी : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी शायद ही कभी कोच बने। चोपड़ा के अनुसार उन्हें नहीं लगता कि धोनी को कोचिंग में रुचि है। आकाश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि धोनी अभी कोचिंग देना चाहेंगे क्योंकि कोचिंग एक फुल टाइम नौकरी है जिसमें आप फिर से वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं जैसे आप अपने क्रिकेट करियर में थे। कई बार तो जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। वहीं आकाश ने यह भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी कोचिंग से क्यों दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर अपना पूरा जीवन सफर में, होटल में और मैदान पर ही बिता देता है। ऐसे में संन्यास के बाद वे थोड़ा स्थिर जीवन जीना चाहते हैं। खिलाड़ी सोचते हैं कि जब पूरी जिंदगी सूटकेस के साथ बिताई है तो अब क्यों दोबारा उसी जिंदगी में लौटें। इसी कारण अधिकतर खिलाड़ी केवल जैसी सीमित अवधि की लीग में ही कोचिंग करना पसंद करते हैं जहां काम कुछ महीनों का होता है। जबकि भारतीय टीम का कोच बनने पर पूरे साल भर लगभग 10 महीने टीम के साथ यात्रा करनी होती है, जिससें पूरा समय निकल जाता है। ऐसे में अब धोनी फिर से कोचिंग जैसे व्यस्त कार्यक्रम को अपनाना नहीं चाहेंगे। वे अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ हैं और आने वाले समय में आईपीएल से भी संन्यास ले सकते हैं। धोनी अब एक अलग जीवन जी रहे हैं जिसमें खेती, बिजनेस और परिवार के साथ समय बिताना शामिल है। ऐसे में भारतीय टीम के कोच की जिम्मेदारी उठाना शायद उनकी प्राथमिकताओं नहीं होगा। धोनी हालांकि 2021 के टी20 विश्वकप में क्रिकेट बोर्ड के अनुरोध पर भारतीय टीम के मेंटॉर बने थे।

ब्रेट ली ने जडेजा की जमकर प्रशंसा की, सबसे फिट क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा की है। ऑस्ट्रेलिाई ऑलराउंडर ने जडेजा को विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक बताया है। ली ने जडेजा के बारे में कहा, 'उन्होंने भारत की ओर से पहले ही 85 टेस्ट मैच खेले हैं, और मुझे भरोसा है कि वह 100 के आंकड़े को पार करेंगे। मेरा मानना है जो कोई भी अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलता है, वह मेरी राय में महान खिलाड़ी है। जडेजा भी अपनी अच्छी बल्लेबाजी, गेंदआजी और फिल्डिंग के कारण एक पूर्ण सुपरस्टार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 100 के आंकड़े को पार कर जाएंगे।' ब्रेट ली ने आगे कहा, 'उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटर के लिए जरुरी सभी चीजें हैं। उनकी तकनीक सरल है। वह दौड़ते हैं और सटीक गेंदबाजी करते हैं. जब जरूरत होती है, वह सही लाइन और लंबाई में गेंदबाजी करते हैं। वह जल्दी से अपने ओवर पूरे करते हैं। वह 36 साल की उम्र में भी सबसे फिट हैं।' इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भले ही अच्छी गेंदबाजी न की हो पर उन्होंनें जबरदस्त बल्लेबाजी से टीम की सहायता की। इस क्रिकेटर ने पांच मैचों की सीरीज में 516 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। वह भारतीय टीम के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में भारतीय टीम के लिए कई शानदार पारियां खेली हैं। मैनचेस्टर टेस्ट में उनकी नाबाद पारी के कारण ही भारतीय टीम हार से बची थी।

साउथ अफ्रीका की पहले वनडे में धामकेदार जीत, ऑस्ट्रेलिया को 98 रनों से मिली

केर्न्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को लगभग जीता हुआ मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाने 297 के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए, सिर्फ 7 ओवर में ही 60 रन ठोक दिए थे। लेकिन इसके बाद 29 न के भीतर ही ऑस्ट्रेलिया ने एक के बाद एक 6 विकेट गंवा दिए और वो 98रनों से मैच हार गई।

बता दें कि, तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे खेला गया। वहीं टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी की। इस दौरान साउथ अफ्रीका के ओपनर एडन मार्करम और रायन रिकल्टन ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

मार्करम और रिकल्टन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। रिकल्टन इसके बाद 33 रन बनाकर

आउट हुए। मार्करम ने शानदार अर्धशतक जड़ा। मार्करम ने 9 चौकों की मदद से 81 गेंदो में 82 रन बनाए। इसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा और मैथ्यू ब्रीत्जके ने भी अर्धशतक जड़ा।

ब्रीत्जके ने 56 गेंदों ने 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। वहीं कप्तान बावुमा ने 5 चौकों की मदद से 74 गेंदों में 65 रन बनाए। जिसकी बदौलत साउथ अफ्रीका ने 50 ओवरो में 8 विकेट खोकर 296 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट लिए।

297 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श ने 60 रन जोड़े। जिसके बाद लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया ये मैच आसान से जीत सकती है। क्योंकि उसके पास मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिश और एलेक्स कैरी जैसे खतरनाक बल्लेबाज बचे हुए थे।

लेकिन साउथ अफ्रीका के लेफ्ट ऑर्म स्पिनर केशव महाराज ने मैच का रुख ही पलट दिया। पहला विकेट हेड का 60 के स्कोर पर गिरा। हेड को प्रेनेलन सुब्रायन ने आउट किया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोए। सभी विकेट केशव महाराज ने लिए। महाराज ने लाबुशेन, ग्रीन, इंग्लिश, कैरी और आरोन हार्डी का विकेट चटकाकर पंजा खोला। एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी विकेट के 60 रन था। वो अब 6 विकेट पर 89 रन हो गया। इसके बाद ही ऑस्ट्रेलिया ने मैच गंवा दिया। वो 198 रन ही ऑलआउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ये मैच 98 रनों से हार गया।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

केर्न्स। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। रबाडा जैसे गेंदबाज का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा के दाहिने टखने में सूजन है और स्कैन जांच में उनकी चोट गंभीर होना पाया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, अब रबाडा ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में चोट से उबरकर फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे। रबाडा के बाहर होने के बाद उनकी जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में शामिल किय गया है। मफाका ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। वह पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं रहेंगे। मफाका ने अब तक 2 एकदिवसीय मैचों में 5 विकेट लिए हैं। वहीं रबाडा के बाहर होन से मेहमान अफ्रीकी टीम को नुकसान होगा क्योंकि रबाडा एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी अपनी टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका थी। 106 एकदिवसीय में इस गेंदबाज ने अबतक 168 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में अब उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर लय हासिल करना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य विश्व कप जीतना रहेगा : हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि उनकी टीम का लक्ष्य रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतना रहेगा। हीली हालांकि जानती हैं कि ये आसान नहीं होगा क्योंकि उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में अलग हालातों के साथ ही स्पिनरों से भी जूझना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है। वहीं हीली का कहना है कि उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने खिताब को बरकारार रखना चाहेगी। हीली ने हाल ही में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मैच में नाबाद 137 रन की आक्रामक पारी खेली भी जिससे भी उनका मनोबल विश्वकप के लिए बढ़ा हुआ है। वह हालांकि ऑस्ट्रेलिया ए को जीत नहीं दिला पायी पर जिस प्रकार से हीली ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये उससे उनके हौंसले बुलंद हैं। हीली ने सीरीज के दूसरे मैच में भी अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंनें अनुभवी स्पिनरों का काफी आत्मविश्वास के साथ सामना किया था। हीली ने कहा, ''भारत ए की इस की टीम में काफी स्पिनर हैं। हमें इस सीरीज का लाभ विश्व कप में मिलेगा क्योंकि तब भी वहां काफी स्पिनर रहेंगे।''

स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। इस खिताबी जीत से अमेरिकी ओपन से पहले स्वियाटेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को एक शक्तिशाली संदेश भेजा है। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक ने खिताब तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सभी छह ब्रेक पॉइंट्स को भुनाकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता और पिछले साल के इटैलियन ओपन के बाद यह उनका पहला खिताब था। वह अब डब्ल्यूटीए 1000 फ़ॉर्मेट के इतिहास में दूसरी सर्वकालिक विजेता हैं। वह केवल सेरेना विलियम्स (23) से पीछे हैं। खिताबी जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसे टूर्नामेंट क्यों जीते, जो पिछले टूर्नामेंटों जैसे थे, जहां मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगी। मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनने और इन तेज सतहों पर खेलना सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। मैं हैरान और बेहद खुश हूं। मैच में पाओलिनी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली।

एशिया कप 2025: क्रिकेट फैंस हुए हैरान, बाहर हुए 3 बड़े धुरंधर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन 15 खिलाड़ियों के नामों का खुलासा किया, जो यूएई में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। लेकिन इस टीम में कुछ बड़े नामों की गैरमौजूदगी ने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया है। खासतौर पर श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और मोहम्मद सिराज को टीम में जगह नहीं मिली।

श्रेयस अय्यर का बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रेयस अय्यर का नाम लेकर कहा कि उनका टीम में न चुना जाना न उनकी गलती है, न सेलेक्टर्स की। उन्होंने साफ किया कि श्रेयस की टीम में जगह न बनने के पीछे कोई विवाद या असमंजस नहीं है। हालांकि, यह निर्णय फैंस के लिए एक बड़ा आश्चर्य रहा क्योंकि अय्यर का आईपीएल और चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन अच्छा रहा था। अंतरराष्ट्रीय टी20 में श्रेयस ने 51 मैचों में 1104 रन बनाए हैं, जिनमें 8 अर्धशतक शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल भी स्कॉड से बाहर

टीम में शामिल न होने वाले दूसरे बड़े नाम यशस्वी जायसवाल का है। विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर पहचाने जाने वाले जायसवाल ने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 164.31 की स्ट्राइक रेट से 723 रन बनाए हैं। बावजूद इसके सिलेक्टर्स ने उन्हें इस बार टीम में जगह नहीं दी।

मोहम्मद सिराज का भी चयन नहीं

इंग्लैंड दौरे पर अपनी घातक गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले मोहम्मद सिराज को भी एशिया कप टीम में शामिल नहीं किया गया है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन इस बार टी20 टीम में उन्हें मौका नहीं मिला। सिराज के चयन से वंचित रहने पर सोशल मीडिया पर फैंस ने सवाल उठाए हैं। सिराज ने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में 16 मैचों में 14 विकेट हासिल किए हैं।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तकि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी

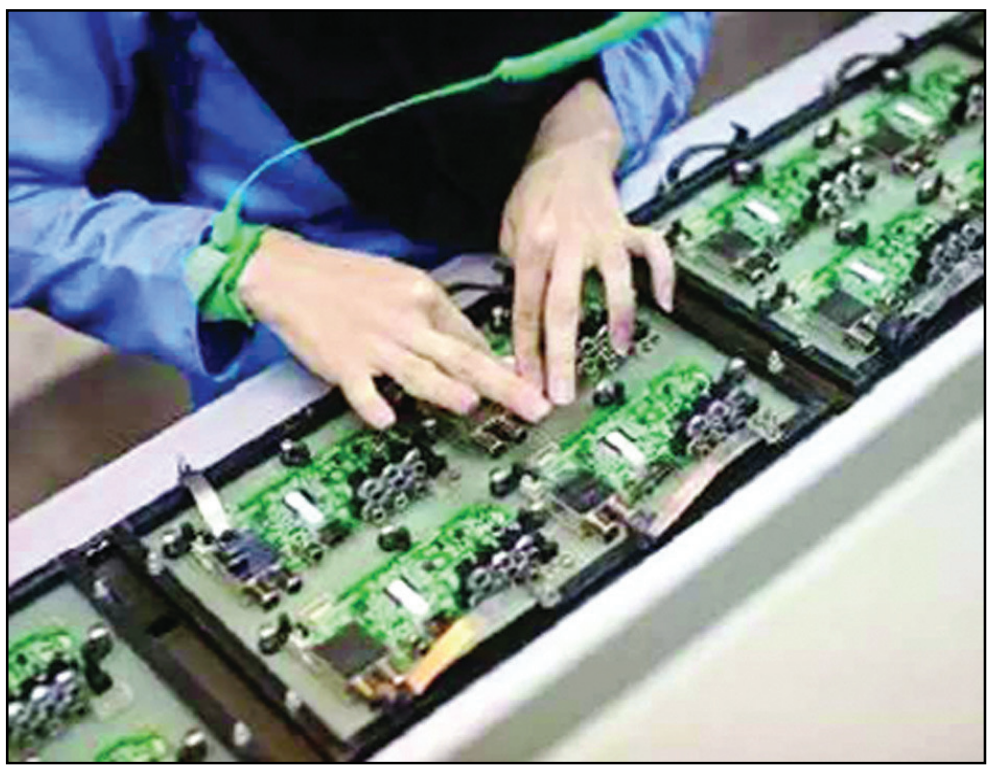

स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे आया पुलिसकर्मी

मेरठ (एजेंसी)। नवादा (ईएमएस)। बिहार के नवादा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी आया। वहां मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों ने खींचकर पुलिसकर्मी को बाहर निकाला। राहुल गांधी ने भी उनका हालचाल पूछा।

वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी गया से नवादा पहुंचे। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच समझौता है। ये मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपसे वोट छीन रहे हैं। वहीं राजद नेता तेजस्वी ने कहा, आप लोग आने वाले आम चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनाइए और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री। फिलहाल, राहुल गांधी की यात्रा नवादा के आईटीआई कॉलेज कैंपस में रुकी है। यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने हिसुआ पुलिस थाने से राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। राहुल ने गाड़ी रुकवाकर उन्हें थम्स-अप किया, फिर फ्लाइंग किस देकर मुस्कुराते हुए आगे निकल गए। गया के रसलपुर में कुछ महिलाएं पूजा की थाली, लोटे में जल और नारियल लेकर राहुल गांधी का स्वागत करने पहुंचीं।

फ्लाइट में यात्री ने सुलगाई सिगरेट, अलार्म बजते ही मच गया हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ-मुम्बई फ्लाइट का एक यात्री माचिस-सिगरेट समेत विमान में पहुंच गया और टॉयलेट में सिगरेट सुलगा ली। तुरंत फायर अलार्म बज उठे। इससे हड़कंप मच गया। घटना 16 अगस्त की है। बता दें कि स्वाधीनता दिवस के चलते सुरक्षा सख्त थी। फिर ज्वलनशील पदार्थ तो दूर की बात, सिक्योरिटी चेक में 100 मिली से ज्यादा पानी या तरल पदार्थ भी ढूंढकर निकलवा दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि हाई सिक्योरिटी अलर्ट में तो तीन स्तरों पर जांच हो रही है। विमान में प्रवेश से पहले सेकंड लैडर प्वाइंट जांच भी की जा रही है। फिर भी माचिस कैसे पकड़ में नहीं आई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2492 उड़ान भरने को तैयार थी। यह दिन में 2:05 बजे उड़ान भरने के बाद मुम्बई एयरपोर्ट पर शाम 4:37 बजे लैंड करती है। एक सहयात्री ने बताया कि एक यात्री कुलदीप सिंह अपनी पत्नी अंशु और पुत्र ध्रुव के साथ यात्रा कर रहा था। बोर्डिंग खत्म होते ही वह सीट से उठकर चला गया। थोड़ी ही देर में फायर अलार्म बजने लगा। केबन क्रू टॉयलेट की ओर दौड़ पड़े। यात्री घबरा गए कि कहीं आग तो नहीं लग गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार कुलदीप किसी तरह माचिस का मसाला वाला हिस्सा और तिल्ली भीतर तक ले जाने में सफल रहा था। उसे सिगरेट की तलब लगी तो प्लेन के टॉयलेट में पहुंच कर सुलगा ली। उसे अंदाजा नहीं था कि जरा से धुएं पर फायर अलार्म बज जाएंगे। आनन-फानन में क्रू सदस्यों ने टॉयलेट का दरवाजा खटखटा कर यात्री को बाहर बुलाया। इसके बाद पायलट को इसकी सूचना दी। प्लेन के क्रू ने कैप्टन के निर्देश पर कुलदीप को विमान से उतार दिया। उसके साथ यात्रा कर रहा परिवार ऐसे में खुद ही कुलदीप के साथ उतर गया। यात्री के साथ चेकइन बैगेज भी था। उसे भी उतार दिया गया।

निशिकांत दुबे का गंभीर आरोप- कांग्रेस ने इसरो मिशन को कमजोर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की। इसी बीच लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में रहते हुए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के दबाव में भारत के अंतरिक्ष मिशन (इसरो) को कमजोर किया। भाजपा सांसद दुबे ने कहा, कि कांग्रेस ने केरल के प्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक नंबी नारायणन को 1994 में सीबीआई के जरिए गलत तरीके से गिरफ्तार कराया। इस साजिश से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अब भी नहीं चाहती कि इस विषय पर सदन में चर्चा हो। इससे पहले स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए। लेकिन विपक्ष की नारेबाजी और हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। अंततः लोकसभा और राज्यसभा—दोनों सदनों की कार्यवाही 20 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

निमिषा प्रिया के नाम पर फॉड...फर्जी बैंक खाते में पैसा डोनेट करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में भारतीय निमिषा प्रिया को मौत की सजा से बचाने के लिए लगातार कोशिश जारी हैं। बीते दिनों केरल के उलेमा ने भी मामले में दखल दिया था और यमन में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर मध्यस्थता कराने का प्रयास किया था। इसके बाद भी मृतक तलाल आबदो मेहदी के परिजन निमिषा प्रिया की माफी के लिए राजी नहीं हैं।

तलाल के भाई ने लंबी पोस्ट लिखकर यमन सरकार से मांग की है कि निमिषा प्रिया को जल्दी ही मौत की सजा दी जाए। इस बीच सोशल मीडिया पर नए दावे के साथ निमिषा प्रिया के नाम पर फॉड जारी है। यही नहीं दावा ईसाई धर्म के प्रचारक कहलाने वाले डॉ. एके पॉल नाम के ट्विटर अकाउंट से हो रहा है। इसमें सेव निमिषा प्रिया के नाम से पोस्टर डिजाइन कर दावा किया गया है कि विदेश मंत्रालय के खाते में आप रकम जमा करा सकते हैं ताकि निमिषा को बचाया जा सके। ट्वीट में कहा गया है, 'निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सीधे भारत सरकार के बैंक खाते में डोनेट करें। हमें 8.3 करोड़ रुपये की जरूरत है।' इतना ही नहीं फर्जी दावे में अकाउंट नंबर भी दिया गया है, जो भारतीय स्टेट बैंक का है। इस बैंक खाते को भारतीय विदेश मंत्रालय का अकाउंट बताया गया है। अब इस मामले पर विदेश मंत्रालय ने सच्चाई बताकर जनता से अपील की है कि यह फर्जी है और इसतरह से किसी भी झांसे में न आएं।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते... सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हमलावार दिख रहे है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। एसआईआर क्यों किया जा रहा है, इसका जवाब दें।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, इन 10-11 सालों में ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिसमें उन्होंने (भाजपा) नेहरू की गलती बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया। जबकि उन्हें अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। आज जो हो रहा है उस पर बात करें, एसआईआर क्यों किया जा रहा है इसका जवाब दें, वोट चोरी के मुद्दे पर बात करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी का बचाव कर कहा कि वे किसी हमले से नहीं डरते....बिल्कुल पीछे नहीं हटने वाले है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शपथ पत्र के मामले पर कहा, सबसे बड़ी शपथ हम लोकसभा में लेते हैं। ये जो हलफनामा मांग रहे हैं, ये सब बेकार की बात है। जैसे ही हलफनामा आएगा, वे कहना शुरु कर देंने वाले हैं कि ये 45 दिन बाद दिया था, इसलिए रदद कर रहे है। ये सब बकवास है, सच्चाई सबके सामने है, सच्चाई का जवाब दें। ये सब क्यों हुआ? 100-100 लोग जीरो पते पर क्यों हैं, इतने लोग एक पते पर कैसे हैं? पहले राहुल गांधी जो सवाल उठा रहे हैं, उसका जवाब दें।

इसके पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम वोट चोरी के खिलाफ हैं और जनता को संदेश दे रहे हैं कि आपके साथ अन्याय हो रहा है। हम चाहते हैं कि जनता को पता चले कि अगर कोई वोट चोरी करके सरकार में आता है, तब यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ये संविधान की हत्या है। चुनाव आयोग हमें डरा-धमका रहे है कि 7 दिन में जवाब दें। ये उनका हथियार है। हमारे पास भी हथियार हैं, जिन्हें हम समय आने पर इस्तेमाल करने वाले है।

हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य कर रहे दूसरी शादी, 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगा रिसेप्शन

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह फिर से शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगी। हिमाचल के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह की शादी पंजाब की अमरीन कौर से तय हुई है। अमरीन पंजाब यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में शादी की रिसेप्शन होगा। इस शादी के कार्ड भी बंट चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरीन कौर चंडीगढ़ निवासी सरदारनी ओपिंदर कौर एवं सरदार जोतिंदर सिंह सेखों की सुपुत्री हैं। विवाह समारोह चंडीगढ़ स्थित निवास में होगा। सुबह 10 बजे शादी के कार्यक्रम शुरू होंगे, जिसके बाद दोपहर 1 बजे लंच होगा। विक्रमादित्य सिंह का उनकी पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। दिवंगत पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के सुपुत्र विक्रमादित्य सिंह की यह दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी 8 मार्च 2019 को राजस्थान के मेवात वंश की राजकुमारी सुदर्शना सिंह के साथ हुई थी। यह विवाह उदयपुर के कानोता गांव स्थित कनोतागढ़ पैलेस में हुआ था। हालांकि, वैवाहिक संबंधों में खटास आने के बाद मामला जयपुर फैमिली कोर्ट में विचाराधीन रहा। बाद में दोनों का तलाक हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस शाही शादी समारोह में देश-प्रदेश के कई दिग्गज नेता और विशिष्ट व्यक्ति शामिल होंगे। विक्रमादित्य सिंह वर्तमान में हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री हैं। विक्रमादित्य सिंह साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें कांग्रेस ने मंडी सीट पर कंगना रनौत के खिलाफ टिकट दिया था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पीएम मोदी ने की विपक्षी दलों से अपील, उम्मीदवार के लिए राधाकृष्णन का करें समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों से अपील की है कि वे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का समर्थन करें ताकि नए राज्यसभा सभापति का चुनाव महासमिति के जरिए से हो सके। पीएम मोदी ने कहा कि राजनाथ सिंह इस संबंध में सभी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में मंगलवार को उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से राधाकृष्णन का औपचारिक परिचय भी करवाया।

पीएम मोदी ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए एक उत्कृष्ट पसंद हैं। उन्होंने बिना किसी विवाद के जीवन जिया है और बहुत ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति हैं। संसद में एनडीए सांसदों की बैठक बुलाई गई थी। वहां राधाकृष्णन के बारे में उन्होंने सांसदों से कहा कि सीपी राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आने वाले जमीनी नेता हैं, बेहद सहज स्वभाव के हैं और राजनीति को खेल की तरह नहीं लेते।

पीएम मोदी ने सिंधु जल समझौता के बहाने देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू पर हमला बोला और कहा कि पहले देश का बंटवारा किया फिर पानी का भी बंटवारा कर दिया और समझौते के तहत पाकिस्तान को 80 फीसदी पानी दे दिया। पीएम ने कहा कि वह फैसला किसान विरोधी था। इस बैठक में पीएम मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री समेत एनडीए के शीर्ष नेता मौजूद थे। राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन बुधवार को दाखिल कर सकते हैं। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए को लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में पूर्ण बहुमत मिला है, ऐसे में राधाकृष्णन की जीत तय मानी जा रही है। इस बीच, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से संकेत मिल रहे हैं कि वह अपना उम्मीदवार उतारेगा और चुनाव लड़ेगा। बीजेपी नेता राधाकृष्णन (67) तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं और महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

भारत और चीन के रिश्तों से दूर होगी खटास, परस्पर सहयोग को तैयार: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन संबंधों में किसी भी सकारात्मक प्रगति का आधार सीमा पर शांति और स्थिरता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और विश्वास बहाल करने की प्रक्रिया आगे बढ़नी बेहद जरूरी है। जयशंकर ने यह बात नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ एक बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि वांग यी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जो बेहद अहम है।

जयशंकर ने माना कि भारत-चीन संबंधों ने हाल के वर्षों में कठिन दौर देखा है, लेकिन अब आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। उन्होंने कहा कि रिश्तों को तीन म्यूचुअल्सयानी परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हितों से मार्गदर्शित होना चाहिए। मतभेद विवाद में और प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मौजूदा अध्यक्षता के दौरान चीन के साथ निकट सहयोग किया है। साथ ही, उन्होंने वांग यी को 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन मजबूत नतीजे देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत की उम्मीद है कि इस बैठक से दोनों देशों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और भविष्य की ओर देखने वाले संबंध बनेंगे, जो दोनों देशों के हितों की पूर्ति करेंगे और चिंताओं का समाधान भी करेंगे। इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि जब दुनिया के दो बड़े देश मिलते हैं तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन एक न्यायसंगत, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें बहुध्रुवीय एशिया भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता बनाए रखना जरूरी है और आतंकवाद से हर रूप में लड़ना भी प्राथमिकता है। बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और वैश्विक हालात पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के बीच

आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थ यात्राएं, जन-से-जन संपर्क, नदी डेटा साझा करना, सीमा व्यापार, कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय आदान-प्रदान जैसे विषय चर्चा में शामिल रहे।

प्रवासी मजदूरों के लिए ममता बनर्जी की श्रमश्री योजना

- हर महीने मिलेंगे 5 हजार रुपए

कोलकाता (एजेंसी) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रवासी मजदूरों के लिए श्रमश्री योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, जो मजदूर दूसरे राज्यों से वापस बंगाल लौटना चाहते हैं, उन्हें 12 महीने तक या रोजगार मिलने तक 5,000 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि इस योजना को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है और इसका उद्देश्य प्रवासी मजदूरों का पुनर्वास करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली मजदूरों पर योजनाबद्ध तरीके से हमले हो रहे हैं और उन्हें वहां से जबरन भगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 22 लाख प्रवासी मजदूर और उनके परिवार ऐसे उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं, विशेष रूप से उन राज्यों में जहां 'डबल इंजन' की सरकारें हैं। इस राजनीतिक टकराव के बीच, ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को कोलकाता दौरे में शामिल न होने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी कोलकाता में तीन मेट्रो प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने वाले हैं, जिसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ममता को आमंत्रित किया था। हालांकि, ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि वे बीजेपी नेताओं के साथ मंच साझा नहीं करेंगी। इस घोषणा और बयानबाज़ी को चुनावी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे तृणमूल कांग्रेस राज्य में मजदूर वर्ग को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र में बारिश के कहर पर बोले सीएम फडणवीस- नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर

-7 की मौत, मुंबई में कमर तक भरा पानी, बचाव व राहत कार्य जारी

मुंबई (एजेंसी)। बीते 5 दिनों से महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश की वजह से देश की आर्थिक नगरी मुंबई बेहाल हो गई है। सीएम फडवीस ने कहा कि कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। इसकी वजह से कई इलाकों में कमर भर पानी जमा हो चुका है। इससे न केवल यातायात बाधित हुई है बल्कि आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। स्कूल कॉलेजों में जहां छुट्टी कर दी गई है, वहीं विमानों की उड़ानों पर भी बुरा असर पड़ा है।

मौसम विभाग ने आज भी रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण सात लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश से नांदेड़ जिले में 200 से अधिक ग्रामीण फंसे हुए हैं जिसके कारण अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात करना पड़ा है। राज्य सचिवालय में एक बैठक में बारिश की स्थिति की समीक्षा के बाद फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है। कोंकण में कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है और जलगांव में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, अलमाटी बांध पर कर्नाटक सरकार के साथ लगातार समन्वय जारी है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने मंत्रालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में राज्य भर में वर्षा की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, रत्नागिरी, रायगढ़ और हिंगोली में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 17-21 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी दी है और पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर मंडल में 800 गांव भारी बारिश से प्रभावित हैं। विदर्भ में लगभग दो लाख हेक्टेयर से ज़्यादा फसल बर्बाद होने की खबर है। फडणवीस ने कहा, मुंबई में आठ घंटों में 170 मिलीमीटर बारिश हुई। यहां 14 जगहों पर जलभराव हुआ, लेकिन केवल दो जगहों पर यातायात बाधित हुआ। रेलवे और मेट्रो सेवाओं का परिचालन सुचारू हैं। अगले 10-12 घंटे बेहद अहम हैं। स्थानीय निकायों को अवकाश घोषित करने का अधिकार दिया गया है। सीएम फडणवीस ने इससे पहले संवाददाताओं को बताया था कि मुंबई से करीब 600 किलोमीटर दूर नांदेड़ जिले के मुखेड़ तालुका से पांच लोग लापता बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि तालुका में स्थित महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजना लेंडी बांध के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि लातूर, उदगीर और पड़ोसी कर्नाटक से बड़ी मात्रा में पानी इस क्षेत्र में छोड़ा जा रहा है।

मुंबई और केरल के वकील आ रहे हैं, संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे : मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में राज्य में संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति और बाहर से आ रहे लोगों के बारे में कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कुछ अजीबो-गरीब लोग, जिसमें मुंबई और केरल के वकील शामिल हैं, असम आ रहे हैं। सीएम सरमा ने इन लोगों को कट्टरपंथी बताकर आरोप लगाया कि वे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं। सरमा के अनुसार, ये वहीं लोग हैं जो एनआरसी (एनआरसी) अपडेट के समय भी आए थे और उन्होंने पूरी प्रक्रिया को खराब कर दिया था।

उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने एक जैसे नामों का फायदा उठाकर इसतरह के लोगों के नाम झूठे तरीके से दर्ज करवाए जो सूची में शामिल होने के योग्य नहीं थे। मुख्यमंत्री सरमा ने हर्ष मंदर जैसे लोगों पर भी निशाना साधकर आरोप लगाया कि झूठे रिश्तेदारों को बनाने का काम उनके दिमाग

की उपज है। सरमा ने कहा कि पिछले पांच सालों में उन्हें कई ऐसी गड़बड़ियां मिली हैं और अब वे इन मामलों को सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश करुंगा।

उन्होंने साफ किया कि अगर ये लोग सीमा पार करते हैं, तब उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा, क्योंकि असम सरकार किसी भी तरह की कट्टरपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगी, चाहे वे कहीं से भी आए हों।

इस दौरान, मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक नवजात शिशु की मौत की घटना पर भी बात की। नियोनेटल आईसीयू में एक चार दिन के बच्चे की मौत हो गई थी, जिसके बाद परिवार ने अस्पताल के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने कहा कि यह एक लापरवाही का मामला है। उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य की ऊर्जा ग्रीन हाइड्रोजन पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी में जुटा भारत

-गोरखपुर देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया वर्तमान में कई तरह की 'गर्मी' झेल रही है। जहां अमेरिका-रूस-यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव, चीन-अमेरिका की प्रतिस्पर्धा और सबसे खतरनाक ग्लोबल वॉर्मिंग का असर चिंता का कारण बना हुआ है। धरती को सबसे ज्यादा गर्म करने वाले देशों में चीन (30प्रतिशत), अमेरिका (15प्रतिशत), भारत (7प्रतिशत), रूस (5 प्रतिशत) और जापान (4 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके बाद ग्रीन हाइड्रोजन पूरी दुनिया के लिए 'उम्मीद की किरण' बनकर उभर रही है और भारत इस क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी कर चुका है।

इसके लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। साथ ही देश में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन भी शुरु हो चुका है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर जिले के खानिमपुर गांव में राज्य का पहला और देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू किया। इस प्लांट को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मील का पत्थर बताकर सीएम योगी ने कहा कि अगर मानवता और सभ्यता को बचाना है, तब कार्बन उत्सर्जन को जल्द से जल्द घटाना होगा। हरित हाइड्रोजन ही भविष्य की ऊर्जा है।'

ग्रीन हाइड्रोजन अक्षय ऊर्जा (सौर और पवन) से पानी का इलेक्ट्रोलिसिस करके तैयार की जाती है। इसमें कार्बन फुटप्रिंट शून्य होता है और केवल हाइड्रोजन व ऑक्सीजन उत्पन्न होते हैं। यही वजह है कि इसे 'क्लीन फ्यूल ऑफ फ्यूचर' कहा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के मुताबिक 2050 तक ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में 12 प्रतिशत योगदान होगा। अभी कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा ग्रीन हाइड्रोजन है। इस 0.3 गीगावॉट से बढ़ाकर 5,000 गीगावॉट करना लक्ष्य है।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन मिशन

भारत ने 2030 तक हर साल 10 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। अभी देश में उर्वरक, रिफाइनिंग और अमोनिया उत्पादन में करीब 60 लाख टन हाइड्रोजन की खपत होती है, जो 2050 तक 2.8 करोड़ टन तक जा सकती है। 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कोयला और गैस जैसे पारंपरिक ईंधनों के बराबर होने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश के पुडीमडका में दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में से एक विकसित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना की नींव रखी थी। यह प्रोजेक्ट भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद

करेगा। ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर भारत की आक्रामक पहल बताती है कि आने वाले दशक में भारत न सिर्फ कार्बन न्यूट्रल भविष्य की ओर बढ़ेगा, बल्कि दुनिया का ऊर्जा नेतृत्व भी अपने हाथ में ले सकता है।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ में हुई मौतों पर जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान में हाल ही में आई अचानक बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रांत मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने गवर्नर माउरा टी हीलेय का आभार जताया। भारतीय दूतावास ने कहा कि इस फैसले से भारतीय-अमेरिकी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सम्मान करता है और भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मैत्री के बंधन को और गहरा करता है।

कांगो : नॉर्थ किवु में आतंकियों ने की 30 की हत्या

किंशासा, एजेंसी। कांगो के नॉर्थ किवु इलाके में आतंकियों ने बड़ी हिंसा को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक, बापेरे गांव में बुधवार से शुक्रवार तक हुए हमलों में कम से कम 30 लोगों की हत्या कर दी गई है। वहीं, करीब 100 लोगों को बंधक बना लिया गया है। स्थानीय सेना और प्रशासन ने इस घटना की पुष्टि की है। लुबेरो इलाके के सैन्य प्रशासक कर्नल एलेन किवावा ने बताया कि आतंकियों ने लोगों पर धारदार हथियारों से हमला किया। कई घरों को भी जला दिया गया। नागरिक समाज संगठन के नेता सैमुअल कहेनी ने कहा कि अधिकांश लोगों की हत्या चाकुओं और मचेटियों से की गई। यह हमला पिछले महीने इतुरी प्रांत में हुए हमले जैसा ही है, जिसमें करीब 40 लोग मारे गए थे। हमलों के पीछे इस्लामिक स्टेट से जुड़े एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) का हाथ बताया जा रहा है।

पाकिस्तान के मंत्री ने फिर बिना सबूत भारतीय विमानों को गिराने का किया दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने फिर से बिना सबूत गत मई में दोनों देशों के बीच संघर्ष में छह भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर चुके हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने रविवार को दावा किया कि इस्लामाबाद ने इस मामले में यह तय किया था कि बिना ठोस सबूत के इसके बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं करेगा। नकवी ने हालांकि यह नहीं बताया कि पाकिस्तान इससे जुड़े सबूत को कब सार्वजनिक करेगा। नकवी ने यह भी हास्यास्पद दावा किया कि संघर्ष के दौरान भारतीय मिसाइलों के हमले में पाकिस्तान के किसी महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचा।

इराक में आईएसआईएस के नरसंहार का दर्दनाक सच, मोसुल के पास सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू

मोसुल, एजेंसी। इराक में अधिकारियों ने मोसुल शहर के पास अल-ख़ाफ़सा इलाके में एक सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह कब्र आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) आतंकियों द्वारा एक दशक पहले किए गए नरसंहार से जुड़ी हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन, न्यायपालिका, फॉरेंसिक टीम, शहीद फाउंडेशन और मास ग्रेव डायरेक्टोरेट मिलकर इस काम को अंजाम दे रहे हैं। इराक की शहीद फाउंडेशन के मास ग्रेव विभाग के प्रमुख अहमद क़ुसै अल-असदी ने बताया कि यह खुदाई 9 अगस्त को नीनवे प्रांत के गवर्नर अब्दुलकादिर अल-दाखिल के अनुरोध पर शुरू की गई। फिलहाल शुरुआती चरण में सतह पर दिखाई देने वाले मानव अवशेष और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

सुरक्षा गारंटी मिलने की बात से जेलेंस्की खुश

मैक्रों बोले- यूक्रेन को छोड़ने होंगे हारे हुए इलाके

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात से पहले जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों के नेताओं से बात की। इस बातचीत के बाद जेलेंस्की ने अमेरिका द्वारा सुरक्षा गारंटी दिए जाने के फैसले पर खुशी जाहिर की। साथ ही जेलेंस्की ने शांति समझौते के लिए अमेरिका, रूस और यूक्रेन का एक त्रि-स्तरीय ढांचा बनाने की अपील की, ताकि विभिन्न मुद्दों पर सहमति बन सके।

सुरक्षा गारंटी देने के अमेरिकी फैसले से जेलेंस्की खुश

जेलेंस्की ने कहा कि सभी ने इस बात का समर्थन किया है कि अहम मुद्दों को सुलझाने के लिए यूक्रेन को सीधे तौर पर बातचीत में शामिल करना चाहिए। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने का फैसला ऐतिहासिक है। हालांकि यह व्यवहारिक होना चाहिए और इससे यूक्रेन को जमीन के साथ ही वायु और समुद्र में भी सुरक्षा मिलनी चाहिए। साथ ही इसमें यूरोप को भी

शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से ये भी अपील की कि वे 2022 की तरह ही एकजुट रहें। उन्होंने कहा कि असल शांति के लिए यूरोप का एकजुट रहना जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष सलाहकार स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि अलास्का में हुई बैठक में रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने की बात पर सहमत दिखे।

रूस ने भी मांगी सुरक्षा गारंटी: वहीं रूस ने कहा है कि जिस तरह से यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दी जा रही है, उसी तरह से पश्चिमी देश रूस को भी सुरक्षा गारंटी दें। रूस के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि विएना मिखाइल उलेनोव ने कहा कि कई यूरोपीय नेता शांति समझौते के तहत यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने के पक्ष में हैं। रूस इससे सहमत है, लेकिन रूस का भी ये अधिकार है कि उसे भी सुरक्षा गारंटी मिलनी चाहिए। उलेनोव ने चेताया कि पश्चिमी देश सुरक्षा गारंटी को लेकर रूस के साथ बातचीत शुरू न करके गलती कर रहे हैं।

मैक्रों बोले- यूक्रेन को छोड़ने होंगे हारे हुए इलाके : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि यूक्रेन को अगर रूस के साथ शांति समझौता करना है तो उसे आखिरकार हारे हुए इलाके छोड़ने के लिए राजी होना ही पड़ेगा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मैक्रों ने ये बात कही। मैक्रों ने ये भी कहा कि उनका देश यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्होंने यूक्रेन को मिलने जा रही संभावित सुरक्षा गारंटी का भी समर्थन किया और इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, पूरे के पूरे गांव बर्बाद 1000 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। बाढ़ की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) मामलों के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने हालात पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ में लगभग 1,000 लोगों की मौत होने की आशंका है।

वली ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। बड़े पैमाने पर तबाही देखी है। उन्होंने कहा, पूरे गांव बर्बाद हो गए हैं। बुनेर के चघरजी इलाके में भारी तबाही हुई है। बशोनी गांव पूरी तरह से नक्शे से गायब हो गया है। बाढ़ के पानी में बहकर आए कुछ पत्थर ट्रकों से भी बड़े थे। नदी किनारे बसे घर गायब हैं। पूरे के पूरे परिवार बह गए हैं।

किसी की कोई खोज खबर नहीं है।

उन्होंने खुलासा किया कि आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित हैं। अब तक लगभग 600 से ज्यादा शव बरामद हुए हैं। हालांकि, कई और हताहतों की सूचना अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने आंशका जताई कि अकेले दीर में ही मौतों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

657 लोगों की मौत, 929 अन्य घायल : पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, 26 जून से अब तक पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में 392 पुरुषों सहित कम से कम 657 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 929 अन्य घायल हुए हैं। कुल मृतकों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं थीं। घायलों में 437 पुरुष, 256 बच्चे और 236 महिलाएं हैं।

अभी कैसे हैं हालात? : एनडीएमए ने बताया कि मौतें मूसलाधार मानसूनी बारिश, अचानक आई बाढ़ और संबंधित आपदाओं के कारण हुईं। उसने यह भी कहा कि वह सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं। केपी में 245 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 161 पुरुष, 45 बच्चे और 39 महिलाएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दुख जताया : इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। महासचिव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

बीजिंग, एजेंसी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया।

यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था।

भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती : भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।

हक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल एआई की परिकल्पना को भी विस्तार से समझाया और एफआईपीएससी सदस्यों से सस्ते एआई उपकरणों के विकास में सहयोग का आग्रह किया। एफआईपीएससी के कई सदस्यों ने एमएसएमई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रस्तुति दी और भारतीय उद्यमियों के लिए व्यापार अवसरों पर सुझाव दिए।

भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास से नेपाल को मिला लाभ, रिश्ते और मजबूत बनाएगा, राष्ट्रपति पौडल ने जताई मंशा

काठमांडो, एजेंसी। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति पौडल ने मिस्री से कहा कि भारत उभरती अंतरराष्ट्रीय शक्ति के तौर पर सामाजिक, आर्थिक व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है, जिसका लाभ नेपाल को भी मिला है।

राष्ट्रपति पौडल ने यह भी कहा कि नेपाल भविष्य में पड़ोसी देश की प्रगति से और भी लाभान्वित होने की इच्छा रखता है। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के मुताबिक, पौडेल ने कहा भारत-नेपाल के बीच सदियों से सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। ये सार्वभौमिक समानता, मैत्रीपूर्ण सहयोग, आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित रहे हैं। नेपाल ने हमेशा भारत के साथ संबंधों को उच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने भारत सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति की सराहना करते हुए कहा कि नेपाल इस नीति को महत्व देता है। बातचीत के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने भी आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की नीति के अनुसार नेपाल, भारत की पड़ोसी प्राथमिकताओं में सर्वोच्च स्थान पर है। मिस्री ने प्रधानमंत्री ओली के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के बारे में जानकारी दी।

द्विपक्षीय हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा : मिस्री दो दिन की यात्रा पर रविवार सुबह ही काठमांडो पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के अलावा विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा, नेपाली कांग्रेस के सभापति शेरबहादुर देउबा से भी मुलाकात की। वह नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड से मिलने खुमलटार स्थित उनके निवास पहुंचे। नेपाली नेताओं के साथ मिस्री की मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

ओली ने भारत यात्रा के न्योते पर पीएम मोदी का आभार जताया : विदेश सचिव मिस्री का दो दिवसीय नेपाल दौरा प्रधानमंत्री ओली की आगामी भारत यात्रा की तैयारियों का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ओली के सचिवालय के अनुसार, भारतीय विदेश सचिव ने ओली से शिष्टाचार भेंट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से औपचारिक भारत भ्रमण का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ओली ने इस निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

होटल में ही व्लादिमीर पुतिन से मीटिंग के दस्तावेज भूल आई डोनाल्ड ट्रंप की टीम

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन के साथ 15 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में मीटिंग हुई थी। दुनिया के दो महाशक्ति देशों के नेताओं की मीटिंग अलास्का के एक होटल कैप्टन कुक में लंबी चली और यूक्रेन के मसले पर गंभीर चर्चा हुई। इस मीटिंग में आगे बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी है और जल्दी ही इसके बारे में कुछ ऐलान हो सकता है। इस बीच एक दिलचस्प जानकारी हक्क्रकी रिपोर्ट में दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप की टीम होटल कैप्टन कुक में ही समिट से जुड़े दस्तावेज भूल आई। ये डॉक्युमेंट्स होटल के एक प्रिंटर के ऊपर पाए गए। यह होटल अलास्का में एल्मेनडॉर्फ-रिचर्डसन बेस के पास स्थित है।

इन दस्तावेजों में दोनों नेताओं की मीटिंग के शेड्यूल, उनके लंच के मेन्यू और अन्य चीजों के बारे में जानकारी दी गई थी। वहीं इस रिपोर्ट को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने गंभीर नहीं माना है और कहा कि उन दस्तावेजों में ऐसा कुछ नहीं था, जिसके लीक होने से कोई चिंता की स्थिति हो। एक अधिकारी ने कहा कि हक्क्रने अपनी रिपोर्ट में रूसी राष्ट्रपति को दिए गए लंच के मेन्यू की बात की है। इसमें क्या है। ऐसी तो कोई बात नहीं है, जो कॉन्फिडेंशियल हो। ये दस्तावेज होटल में आए

एक गेस्ट को प्रिंटर के ऊपर रखे मिले थे। गेस्ट ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर एनपीआर को वे सौंपे थे।

इन दस्तावेजों में मुलाकात के हर इवेंट्स की जानकारी दी गई थी। इसके अलावा यह भी बताया गया था कि कब पुतिन, ट्रंप और उनके सलाहकारों की मीटिंग होगी। इसके अलावा लंच मेन्यू की जानकारी भी इन दस्तावेजों में दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार व्लादिमीर पुतिन के लंच मेन्यू में ग्रीन सलाद, हैलिबट ओलिंपिया और कुछ अन्य व्यंजन शामिल किए गए थे। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच मीटिंग बहुत लंबी नहीं खिंची। यहां तक कि जब दोनों मीटिंग के बाद निकले तो कुछ मिनटों की ही प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई और दोनों नेताओं ने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया।इस बीच दस्तावेजों के बाहर आने की जानकारी मिली तो वाइट हाउस और विदेश मंत्रालय का कहना है कि इसमें कुछ बड़ी बात नहीं थी। यही था कि किसका लंच मेन्यू क्या है। हालांकि हक्क्रकी रिपोर्ट में बताया गया था कि इन दस्तावेजों में अमेरिकी अधिकारियों के नंबर भी शामिल थे। इस पर वाइट हाउस ने कहा कि आखिर रूसियों के पास अमेरिका के किस अधिकारी का नंबर नहीं है।

गाजा में तबाही मचा रही इजरायली सेना, हवाई हमले में हमास का ये बड़ा कमांडर ढ़ेर

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इज़राइल का कब्ज़ा अब लगभग तय माना जा रहा है। हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में इज़राइली सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच, दक्षिणी गाजा में वरिष्ठ हमास कमांडर नासिर मूसा की हत्या के बाद भी आईडीएफ अपने हमले जारी रखे हुए है। ताज़ा हमला एक स्कूल पर हुआ जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस हमले में 37 लोग मारे गए, जिनमें कई महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

गाजा की सड़कों पर सिर्फ़ मलबा और तबाही ही नज़र आ रही है। इज़राइली लड़ाकू विमानों ने राफ़ा ब्रिगेड के प्रमुख आतंकवादी नासिर मूसा को हवाई हमले में मार गिराया। मूसा हमास आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता था और इज़राइल में कई हमलों का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा, इज़राइली सेना ने खान यूनिस में एक इमारत को भी निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल हमास रॉकेट रखने के लिए करता था।

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को गाजा पट्टी पर कब्ज़ा करने की पूरी इजाज़त दे दी है। उन्होंने कहा है कि यह युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा और बंधकों को हर कीमत पर रिहा किया जाएगा। हालाँकि, दुनिया के कई देश इस कार्रवाई को गाजा के अंत का संकेत मान रहे हैं। वहीं, कई देशों ने इज़राइल के ख़िलाफ़ कदम उठाते हुए फ़िलिस्तीन राज्य को मान्यता भी दे दी है।

इस समय गाज़ा में स्थिति बेहद भयावह है। पिछले दो सालों में 61,827 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 1,55,275 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सिर्फ़ पिछले 24 घंटों में ही 51 लोगों की जान चली गई और 369 लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका की नागरिकता लेना अब आसान नहीं, पता लगाया जाएगा पूरा भूत-भविष्य, नया नोटिफिकेशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र्पति बनने के बाद इमिग्रेशन के नियम लगातार सख्त होते जा रहे हैं। अब अमेरिका की नागरिकता लेना आसान नहीं रह गया है। यूएस सिटिजनशिप ऐंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने ऐलान किया है कि अब नागरिकता के लिए अप्लाई करने वाले लोगों के नैतिक चरित्र का भी गहनता से मूल्यांकन किया जाएगा। अगर कोई शख्स चरित्र के मामले में भी खरा नहीं उतरता है तो बाकी योग्यता होने के बावजूद उसे नागरिकता नहीं मिलेगी।

यूएससीआईएस के नोटिफिकेशन में कहा या है, नेचुरलाइजेशन के लिए अच्छा चरित्र होना भी बेहद जरूरी है। अगर किसी को अमेरिका की नागरिकता चाहिए तो उसका नैतिक चरित्र की पूरी जांच की जाएगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि अगर कोई नागरिकता के लिए अप्लाई करता है तो उसका गुड मोरल कैरेक्टर चेक गहनता से किया जाएगा। पांच साल तक का उसका पूरा रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। अगर वह इस पैमाने पर

खरा उतरता है तभी नेचुरलाइजेशन हो पाएगा। बता दें के नेचुरलाइजेशन से मतलब किसी और देश में जन्म के बाद अन्य किसी देश की नागरिकता पाना है।

पहले उन लोगों का ही गुड मोरल कैरेक्टर चेक किया जाता था जिनका रिकॉर्ड अमेरिका में मौजूद नहीं रहता था। हत्या, गुंडागर्दी, नशे की आदत, ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे अपराधों को शामिल किया गया था। हालांकि अब इस क्राइटीरिया का और ज्यादा विस्तार कर दिया गया है। अब एजेंसी ने कहा कि यह सरसरे तरीके से नहीं की जा सकती। इसके लिए गहन जांच और व्यक्ति के व्यवहार के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठी करने की जरूरत है। अब आवेदनकर्ता के समाज में योगदान, आम लोगों से व्यवहार, परिवार की जिम्मेदारियां और पारिवारिक संबंधों की भी समीक्षा की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएससीआईएस यह भी पता लगाएगा कि व्यक्ति समाज में किस तरह रहता है, परिवार के लोगों के साथ संबंध कैसे हैं और उसकी शैक्षिक उपलब्धियां क्या-क्या हैं। इसके अलावा अमेरिका में रहने के दौरान किस तरह की नौकरी कर रहा था। उसकी नौकरी की गारंटी कीतनी है और वह समय पर टैक्स भर रहा है या नहीं। अगर कोई व्यक्ति टैक्स भरने में भी लापरवाही करता है तो उसकी नागरिकता लटक जाएगी।

युगांडा की संसद में एसजीवीपी प्रमुख माधव स्वामी का अभिनंदन; भारत-अफ्रीका संबंध होंगे मजबूत

कंपाला , एजेंसी। माधव स्वामी अपनी सनातन संस्कृति और हिंदू जीवनशैली को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए निरंतर यात्रा करते हैं। इसी क्रम में वे अफ्रीकी महाद्वीप की यात्रा पर युगांडा पहुंचे। यह यात्रा भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का नया सात्विक सेतु निर्मित करेगी।

युगांडा में बड़ी संख्या में गुजराती समुदाय निवास करता है। युगांडा की संसद में उपसभापति डॉ. थॉमस तैयेब्वा के विशेष निमंत्रण पर राजधानी कंपाला पहुंचे माधव स्वामी का स्वागत खुद उपसभापति डॉ. थॉमस समेत अन्य सांसदों ने किया। हार्दिक स्वागत के बाद उन्हें सम्मानित भी किया गया।

युगांडा के सांसदों और सरकार के प्रतिनिधि उपसभापति महोदय के साथ माधव स्वामी ने इस विषय पर गहन चिंतन और चर्चा की कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार और अधिक स्वाभिमानी, सशक्त और संस्कारी बनाकर समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए तैयार किया जा सकता है। उपसभापति ने माधव स्वामी को युगांडा संसद भवन का भ्रमण कराया तथा उसकी विशेषताओं से अवगत कराया।

यह ऐतिहासिक यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भगवान श्री स्वामीनारायण द्वारा लिखी गई सर्वजीव हितावह शिक्षापत्री के दो सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह रचना समाज में मानवता के मूल्यों का बीज बोने वाली है। राजसत्ता और धर्मसत्ता की यह भेंट भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का एक नया सात्विक सेतु स्थापित करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

30 करोड़ की हीरा चोरी में बड़ा खुलासा,शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी

कर्ज बढ़ने पर बीमा पाने के लिए रची थी चोरी की साजिश, दोनों बेटे और ड्राइवर भी शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 30 करोड़ की हीरा चोरी के मामले में बड़ा मोड़ आया है। जिस डकैती की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, उसमें शिकायतकर्ता और डी.के. एंड सन्स डायमंड कंपनी के मालिक देवेंद्र कुमार चौधरी (डीके मारवाड़ी) ही आरोपी निकले। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरी घटना केवल एक नाटक था और वास्तव में कोई हीरा चोरी हुआ ही नहीं था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 17 अगस्त की रात को कापोद्रा इलाके में डी.के. सन्स कंपनी में चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। कहा गया था कि रात करीब 2 बजे पांच चोर दो रिक्शा में आए थे। एक रिक्शा में तीन और दूसरे में दो चोर थे, जिनके पास गैस कटर समेत अन्य उपकरण थे। चोरी के बाद वे सूरत रेलवे स्टेशन पर रिक्शा से उतरकर मुंबई या राजस्थान भाग गए थे।

हालांकि, पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ कि यह पूरा मामला कंपनी मालिक देवेंद्र कुमार चौधरी की ही साजिश थी। दरअसल, उन पर काफी कर्ज था और बीमा राशि प्राप्त करने के लिए उन्होंने चोरी का नाटक रचा था। खास बात यह रही कि चोरी से महज़ 10 दिन पहले ही उन्होंने अपनी कंपनी का बीमा रिन्यू कराया था। साथ ही कंपनी में घुसने के लिए कोई ताला भी नहीं तोड़ा गया था। इन दोनों बातों से ही पुलिस को शक हुआ और आखिरकार सच्चाई सामने आई।

देवेंद्र कुमार चौधरी ने इस पूरे नाटक में अपने दोनों बेटों और ड्राइवर को भी शामिल किया था। चोरी की घटना के बाद कंपनी में एक बेटा मौजूद था, जबकि दूसरा बेटा मौके पर नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज में भी चोरी करने आए पांच लोगों में उनका बेटा दिखाई दिया।

पुलिस ने आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच में पाया कि दो से तीन अज्ञात लोग रिक्शा से चोरी करने आए थे। फोरेंसिक विभाग को मौके से सिगरेट के ठूंठ और मावा के पैकेट भी मिले हैं। तिजोरी से दो से तीन व्यक्तियों के फिंगरप्रिंट भी बरामद हुए हैं।

सगीरा से दुष्कर्म करने वाला बिल्डर पकड़ा गया

ओलपाड में फार्महाउस पर भरूच की महिला ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर बिल्डर को सौंपा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरोली क्षेत्र में उत्तराखंड के श्रमिक परिवार की नाबालिग से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में बिल्डर की संलिप्तता सामने आई थी। इस मामले में पहले पुलिस ने बिल्डर के पास नाबालिग को ले जाने वाली भावना नाम की युवती को गिरफ्तार किया था। इस मामले में फरार बिल्डर किशोर दायाणी को पुलिस ने कल (19 अगस्त) गिरफ्तार कर लिया है।

अंकलेश्वर में भावनाबेन से पहचान हुई थी। अमरोली में रहने वाला और मूल रूप से उत्तराखंड का निवासी एक श्रमिक परिवार की 16 वर्षीय नाबालिग अपनी मां के साथ कढ़ाई का काम करती है। यह परिवार दो साल पहले अंकलेश्वर में रहता था। यहां पर उनकी पहचान भावनाबेन कानजीभाई बाबरिया (उम्र 32 वर्ष, निवासी- जुनीवाड़ी, वसंत मिल की गली, पांचबत्ती, भरूच - मूल निवासी- भंडारिया, जिला भावनगर) से हुई थी।

नाबालिग को शॉपिंग के बहाने फार्महाउस ले गई। पिछले 12 जुलाई को जब भावना अमरोली आई थी, तब उत्तराखंड के परिवार से घरेलू संबंध होने के कारण वह अमरोली में श्रमिक परिवार के घर गई थी। इसके बाद भावना उस परिवार की नाबालिग को नाश्ता और शॉपिंग कराने के बहाने बाहर ले गई। पहले से बनाए गए षड्यंत्र के तहत नाबालिग को बहला-फुसलाकर भावना उसे ओलपाड के फार्महाउस में ले गई और किशोर दायाणी (निवासी- ममतापार्क, कपोद्रा) नामक व्यक्ति को सौंप दिया।

फार्महाउस में भावना इधर-उधर घूम रही थी और दूसरे कमरे में आराम कर रही थी, वहीं दूसरी ओर फार्महाउस के कमरे में किशोर दायाणी ने ठंडा पेय पिलाकर दुष्कर्म किया था। इस सनसनीखेज मामले में पहले ही पुलिस ने भावना बाबरिया को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि फरार चल रहे बिल्डर किशोर दामजीभाई दायाणी (उम्र 52 वर्ष, निवासी- ममतापार्क-2, कपोद्रा - मूल निवासी- सनोसरा, तहसील शिहोर, जिला भावनगर) को कल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

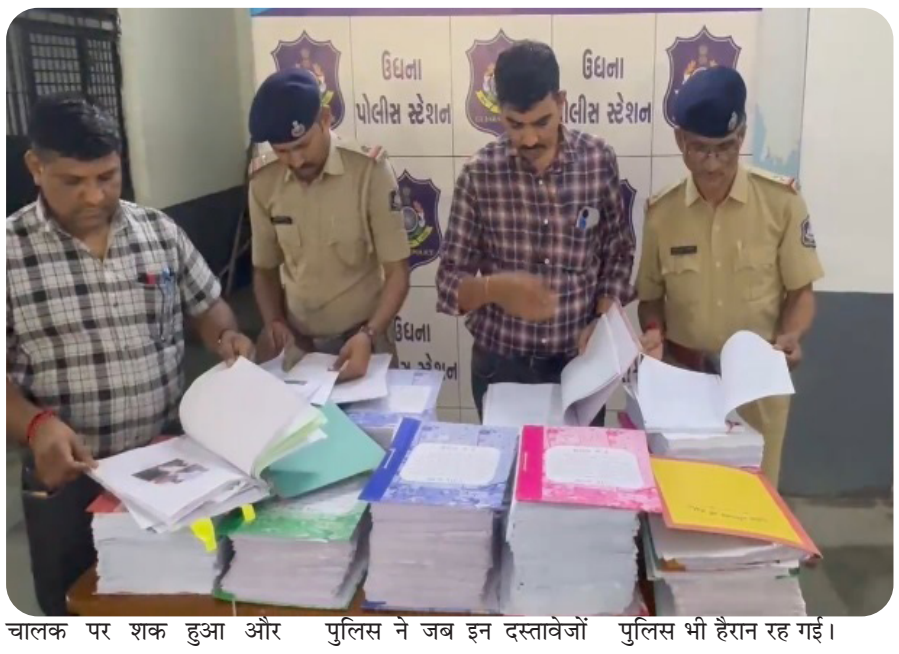

1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड केस में 1.50 लाख पन्नों की चार्जशीट 88 दिन में 200 गवाहों के बयान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से जुड़े 1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड मामले में 88 दिन की जांच के बाद पुलिस ने 1.50 लाख पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। अपराधियों के इस पूरे रैकेट को उजागर करने के साथ ही कानूनी क्षेत्र में भी एक नया इतिहास रचा गया है। यह चार्जशीट दक्षिण गुजरात में अब तक की सबसे लंबी चार्जशीट है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के युग में डकैती और लूट की जगह साइबर फ्रॉड ने ले ली है। मामले की शुरुआत वाहन चेकिंग से हुई थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक वाहन

चालक पर शक हुआ और उसकी गिरफ्तारी कर पूछताछ की गई। इस दौरान चालक के पास से कुछ बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज मिले।

पुलिस ने जब इन दस्तावेजों और वाहन चालक की गहराई से जांच की, तो करोड़ों का साइबर फ्रॉड चल रहा होने का खुलासा हुआ। यह जानकर पुलिस भी हैरान रह गई।

पूरे फ्रॉड में चार्जशीट दाखिल करने के लिए उधना पुलिस ने 88 दिन तक दिन-रात मेहनत की।

अब तक साइबर फ्रॉड के शिकार हुए लोगों, बैंक कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित लगभग 200 लोगों से पूछताछ कर बयान दर्ज किए गए।

जांच के दौरान एकत्र किए गए सबूतों, तकनीकी विश्लेषण और बयानों के आधार पर पुलिस ने 1.50 लाख पन्नों की चार्जशीट तैयार की।

हालांकि, इस चार्जशीट में खास बात यह है कि मुख्य चार्जशीट केवल 18 हजार पन्नों की है। बाकी सभी पन्नों में RBL, YES बैंक और एक्सिस बैंक समेत अलग-अलग बैंकों के स्टेटमेंट और 165 खातों में हुए सभी लेन-देन का ब्यौरा शामिल किया गया है।

श्री माधव गौशाला में भव्य भस्म आरती और शिवलिंग श्रृंगार दर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सावन मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर उधना स्थित श्री माधव गौशाला के सोमेश्वर महादेव मंदिर में भस्म आरती एवं महादेवजी के श्रृंगार दर्शन का भव्य आयोजन किया गया।

सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। गौशाला परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। संस्था के अध्यक्ष आशीष सूर्यवंशी ने बताया कि च्महाकाल स्वरूप भगवान शंकर के पूजन हेतु गौमाता के गोबर से बने शिवलिंग पर भस्म आरती का आयोजन किया गया, जिससे भक्तों को एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव मिला।ज्

इस अवसर पर विशेष रूप से गौमाता के गोबर से निर्मित 12 फुट ऊँचे शिवलिंग का निर्माण किया गया था। शिवलिंग के श्रृंगार दर्शन ने श्रद्धालुओं में अद्भुत आस्था का संचार किया। आरती के समय पूरा प्रांगण "हर हर महादेव" के जयकारों से गूंज उठा और भक्तों ने इस अद्भुत दृश्य को कैमरों में कैद किया।

सावन के अंतिम सोमवार पर हुए इस आयोजन में गौभक्ति और शिवभक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला।

अहमदाबाद में पूर्व आर्मी जवान भड़के, रास्ता रोककर लगाया जाम

अब सचिवालय की ओर रवाना, गांधीनगर के प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात, सघन चेकिंग शुरू, गिरफ्तारियां भी जारी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पूर्व सैनिकों की लंबित मांगों को लेकर चल रहा 'ऑपरेशन आरक्षण' आंदोलन 19 अगस्त, 2025 23वें दिन में प्रवेश कर

गया। गांधीनगर के सेक्टर-6 सत्याग्रह छावनी पर इकट्ठा हुए पूर्व सैनिकों और 'गुजरात पूर्व सैनिक संगठन' ने सैनिक अधिकारी महारैली का आह्वान किया था। लेकिन रैली से पहले ही पुलिस ने पूर्व सैनिकों को पकड़कर हिरासत में ले लिया। इस आंदोलन में सुबह ही 50 से ज्यादा पूर्व सैनिकों को हिरासत में लिया गया। DySP ने कहा कि महारैली की अनुमति नहीं दी गई थी।

गांधीनगर में पूर्व सैनिकों को हिरासत में लिए जाने के बाद, उन्हें छुड़ाने के लिए दोपहर करीब ढाई बजे आक्रोशित होकर 1000-1500 पूर्व आर्मी जवान अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट सर्कल से इंदिरा ब्रिज तक का रास्ता जाम कर दिया। इस पर क्राइम ब्रांच के जेसीपी, सेक्टर-2 डीसीपी, एसीपी सहित बड़ा पुलिस दल मौके पर पहुंचा। हिरासत के दौरान हुई झड़प के बाद पुलिस को सभी गिरफ्तार पूर्व सैनिकों को छोड़ना पड़ा। इसके बाद समझाइश देकर सड़क खाली करवाई गई। हालांकि पूर्व सैनिकों ने यह मांग की है कि गांधीनगर से जिन पूर्व सैनिकों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

पुलिस ने मामला शांत करने के बाद पूर्व सैनिक आर्मी अस्पताल भोजन के लिए गए। वहां से निकलकर वे अपने-अपने वाहनों से गांधीनगर सचिवालय की ओर रवाना हुए। इसके बाद एयरपोर्ट सर्कल स्थित आर्मी अस्पताल का गेट बंद कर दिया गया। दूसरी ओर, जैसे ही पूर्व सैनिकों के गांधीनगर आने की सूचना मिली, पुलिस बल को प्रवेश द्वार पर तैनात कर दिया गया। गांधीनगर के प्रवेश द्वारों और बसों में सघन पुलिस चेकिंग शुरू की गई है और लगातार गिरफ्तारियां भी की जा रही हैं।

15 लाख की घरफोड़ चोरी का आरोपी 10 साल बाद पकड़ा सूरत में चोरी कर वलसाड में मोबाइल की दुकान चला रहा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के वराछा पुलिस स्टेशन में 2015 में दर्ज 15 लाख की घरफोड़ चोरी के मामले में पिछले 10 साल से वॉन्टेड आरोपी को वलसाड से गिरफ्तार किया गया है। चोरी करने के बाद वह वलसाड जिले के भीलाड में मोबाइल फोन की दुकान चला रहा था।

खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने वलसाड के भीलाड तीन रास्ता के पास से

आरोपी मंसराम उर्फ बंसीराम गोडाजी प्रजापति (उम्र 37)को दबोचा है। आरोपी भीलाड में साईयोगी बिल्डिंग में रहता था और मूल रूप से राजस्थान के जालोर जिले का निवासी है। यह अपराध वर्ष 2015 में हुआ था। 6 अक्टूबर 2015 की रात आरोपी मंसराम और उसके साथी सुरेश प्रजापति, प्रभुराम प्रजापति, ढोलारा बिश्नोई और दिनेश बिश्नोई ने सूरत के वराछा रोड पर स्थित राजहंस हाउस की ऑफिस में चोरी की थी।

चोरों ने ऑफिस के लोहे के दरवाजे और ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। इसके बाद गैस कटर का इस्तेमाल कर केबिन का दरवाजा तोड़ा और अंदर से एक आईफोन-6 (कीमत 45,000 रुपये) और नकद 15,11,500 रुपये चोरी किए। कुल 15,56,500 रुपये की चोरी कर आरोपी फरार हो गए थे। इस मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने उस समय दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला सुलझा लिया था, लेकिन आरोपी मंसराम प्रजापति पिछले 10 साल से पुलिस की पकड़ से बाहर था।

पुलिस को निजी सूत्र से जानकारी मिली कि आरोपी मंसराम वलसाड जिले में कहीं मोबाइल फोन की दुकान चला रहा है। इस जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने पिछले चार महीनों तक जांच की। अंततः यह सामने आया कि आरोपी भीलाड में मोबाइल की दुकान चला रहा है। तुरंत टीम भेजकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे वराछा पुलिस स्टेशन को सौंपने की तैयारी की जा रही है।